हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 126, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 4 नवम्बर, 2023 दिन शनिवार | गाजीपुर/वाराणसी

अब यूपी में किसी ने बेटियों को गलत निगाहों से देखा तो उसे यमराज भी...

सुरक्षा, सम्मान और वावलंबन से जुड़ी योजनाओं को डबल इंजन की सरकार पूरी शिद्दत से लागू कर रही

बलिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी को सशक्त किए बिना कोई राष्ट्र शक्तिवाली नहीं बन सकता। वर्ष 2014 के बाद से हालात बदले हैं। अब योजनाएं महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई जाती हैं। सामान्य शिक्षक से लेकर चंद्रयान तक के अभियान से आधी आबादी जुड़ी हुई है। सुरक्षा, सम्मान और वावलंबन से जुड़ी योजनाओं को डबल इंजन की सरकार पूरी शिद्दत से लागू कर रही है। मुख्यमंत्री ने 128.67 करोड़ रुपये के 35 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। बलिया के बांसडीह विधान सभा के पिंडहरा में शुक्रवार को नारी शक्ति वंदन के तहत महिला सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पुलिस में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिला हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के बाद अब नए परिसीमन में जो भी आंकड़े सामने आएंगे, उनमें से एक तिहाई पद लोकसभा और विधानसभा में आरक्षित होंगे। उन्होंने कहा कि यह समर्थ और स्वावलंबी भारत बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है।

योगी बोले- बेटियों की जिम्मेदारी अब सरकार ने ले ली- कहा कि पहले बेटी की शादी के लिए पिता को कर्ज लेना पड़ता था, लेकिन अब सरकार ने बेटी की पढ़ाई से लेकर उसे आत्मनिर्भर बनाने तक और शादी तक की जिम्मेदारी ले ली है। किसी ने भी बेटियों की ओर गलत निगाहों से देखा तो उसे यमराज भी नहीं बचा सकते है। बलिया से हर किसी को प्रेरणा लेनी चाहिए। अब लोग दिल्ली और गाजियाबाद व्यापार करने के लिए नहीं बल्कि बलिया आएंगे। वाराणसी से हल्दिया तक जलमार्ग बलिया से ही होकर गुजर रहा है। यहां के किसानों के साथ है हर व्यापार को रास्ता मिल जायेगी। कहा कि सरयू के माध्यम से इसे अयोध्या तक ले जाने की योजना है। प्रधानमंत्री के बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ के मार्ग पर चलकर महिलाओं की सुरक्षा पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बलिया के मंगल पांडेय, चित्तू पांडेय के साथ ही जयप्रकाश नारायण के किए गए कार्यो को लोंगों को याद कराया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 10 महिलाओं का सम्मान किया। साथ ही 129 करोड़ की परियोजनओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

भारतीय समाज प्राचीनकाल से ही पर्यावरण के लिए संवेदनशील : योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के साथ सतत ग्रामीण विकास के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल प्रौद्योगिकी को अपनाना जरूरी है। यह कोई आवश्यक नहीं यूरोप का कोई विकास मॉडल उत्तर प्रदेश के लिए भी कारगर हो। तकनीकी आज की आवश्यकता है, पर पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए प्राचीन देसी पद्धतियों से जोड़कर इसे आगे बढ़ाना होगा। सीएम योगी शुक्रवार को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'पर्यावरण, प्रौद्योगिकी और सतत ग्रामीण विकास' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन कर रहे थे। इसका आयोजन महाविद्यालय के भूगोल विभाग की तरफ से, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से किया जा रहा है। बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण जल, भूमि, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों का समन्वित रूप है। यदि भूमि रहने लायक न रहे, जल पीने लायक न रहे, जीव-जंतुओं का अस्तित्व संकट में रहे तो प्रौद्योगिकी का क्या महत्व रहेगा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भीषण धमाका, विस्फोट में पांच लोगों की मौत; 21 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को एक पुलिस गश्ती दल के पास बम विस्फोट हो गया। इस ब्लास्ट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 21 लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी पीटीआई ने पाकिस्तानी अखबार डॉन के हवाले से यह जानकारी दी है। डॉन ने पुलिस अधिकारी मोहम्मद अदनान के हवाले से बताया कि यह धमाका डेरा इस्माइल खान शहर में पुलिस गश्ती दल के करीब हुआ है। हालांकि, इस धमाके में हताहत होने वालों में पुलिसकर्मी शामिल हैं या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। वहीं, बचाव अधिकारी ऐजाज महमूद ने कहा कि इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि 21 अन्य घायल हो गए हैं। मालूम हो कि पिछले साल नवंबर में सरकार के साथ तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के संघर्ष विराम समाप्त हो गया था। हालांकि, संघर्ष विराम समाप्त होने के बाद से ही पाकिस्तान में हाल के महीनों में आतंकी गतिविधियों में तेजी से बढ़तरी दर्ज की गई है। देश में सबसे अधिक बढ़ोतरी खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में देखी गई है। 31 अक्टूबर को डेरा इस्माइल खान में एक पुलिस शिविर पर अज्ञात ने गोलीबारी की थी, इस हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी। उसी दिन दक्षिण वजीरिस्तान जिले में एक आईईडी विस्फोट भी हुआ था, जिसमें दो सैनिकों की मौत हो गई थी।

महिलाओं में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को लीड करने की क्षमता : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह वर्ल्ड फूड इंडिया का दूसरा संस्करण है। कार्यक्रम के तहत, पीएम मोदी ने फूड स्ट्रीट का भी उद्घाटन किया। मालूम हो कि इस कार्यक्रम का आयोजन 3 नवंबर से 5 नवंबर के बीच होगा, जिसके बाद कार्यक्रम का समापन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए कई देशों से मेहमान दिल्ली पहुंचे हैं। जानकारी के मुताबिक, इसमें क्षेत्रीय व्यंजन और शाही खानपान की विरासत को दुनिया के सामने पेश करने की कोशिश होगी। 200 से अधिक शेफ इसमें शामिल होंगे और पारंपरिक भारतीय व्यंजन पेश करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' के उद्घाटन पर 1 लाख से अधिक एसएचजी सदस्यों को 380 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी सहायता के वितरण की प्रक्रिया शुरू की। पीएम मोदी ने कहा, "पिछले नौ वर्षों में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ के निर्यात में 150% की वृद्धि हुई है। आज हमारा कृषि-निर्यात विश्व स्तर पर 7वें स्थान पर पहुंच गया है। खाद्य क्षेत्र में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसमें भारत ने प्रगति न की हो। यह वृद्धि तेज लग सकती है, लेकिन यह निरंतर और

समर्पित प्रयासों का परिणाम है। हमारी सरकार के कार्यकाल में भारत ने पहली बार कृषि-निर्यात नीति लागू की है। हमने पूरे भारत में लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे का एक नेटवर्क स्थापित किया है।" उन्होंने कहा, "फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से जुड़ा ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जिसमें भारत ने वृद्धि न दर्ज की हो। ये फूड सेक्टर से जुड़ी हर कंपनी, हर स्टार्टअप के लिए सुनहरा मौका है।" भारत की महिलाओं में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को लीड करने की स्वाभाविक क्षमता है। इसके लिए हर स्तर पर महिलाओं को, कुटीर उद्योगों और SHGs को प्रमोट किया जा रहा है। भारत में जितनी सांस्कृतिक विविधता है, उतनी ही खाद्य विविधता भी है। हमारी ये खानपान की विविधता, दुनिया के हर इन्वेस्टर के लिए एक लाभदायक है। उन्होंने कहा, "फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से जुड़ा ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जिसमें भारत ने वृद्धि न दर्ज की हो। ये फूड सेक्टर से जुड़ी हर कंपनी, हर स्टार्टअप के लिए सुनहरा मौका है।" भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है और रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ-साथ पैकेज्ड फूड की मांग भी बढ़ रही है। इन महत्वाकांक्षी नीतियों के साथ तालमेल बिठाने के लिए आपकी योजनाएं भी उतनी ही महत्वाकांक्षी होनी चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में, इसकी सफलता में योगदान देने वाले तीन मुख्य कारक हैं, छोटे किसान, छोटे उद्योग और महिलाएं। मोटे अनाज का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "मिलेट्स हमारी 'सुपर फूड बकेट' का हिस्सा है। भारत में हमने इसे अन्न की पहचान दी है। भारत की पहल पर आज दुनिया में एक बार फिर मिलेट्स को लेकर जागरूकता अभियान शुरू हुआ है।

सेना प्रमुख जनरल पांडे का चीन को खास संदेश इजारयल-हमास युद्ध को लेकर भी दिया बयान

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने शुक्रवार को लद्दाख सीमा से चीन को खास संदेश दिया। सेना प्रमुख ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर रहता है। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन पर जोर दिया है। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ बढ़ते सीमा विवाद के बीच सेना प्रमुख का ये बयान सामने आया है। चाणक्य रक्षा संवाद को संबोधित करते हुए जनरल पांडे ने कहा कि भारत दुनिया भर में नए स्थानों पर रक्षा शाखाएं स्थापित कर रहा है और सेना मित्रवत विदेशी साझेदार देशों के साथ संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण और अभ्यास के दायरे और पैमाने को बढ़ाने के लिए उत्सुक है। वर्तमान में कई देशों में चल रही जंगों पर चर्चा करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा की बढ़ती महत्ता पर

ध्यान देने की आवश्यकता है। सेना प्रमुख ने कहा कि इस उतार-चढ़ाव के बीच भी भारत का उज्ज्वल स्थान है। जनरल पांडे ने इजरायल और हमास जंग का संदर्भ दिए बिना कहा कि हमारा दृष्टिकोण सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, बल के उपयोग से बचने और अंतरराष्ट्रीय नियमों, कानूनों और विनियमों के पालन पर जोर देता है। सेना प्रमुख ने कहा कि अपने रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए, हम दुनिया भर में नए स्थानों पर रक्षा शाखाएं स्थापित कर रहे हैं। हमारे सामने चुनौतियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अवसर और सामूहिक ज्ञान और ताकत भी महत्वपूर्ण हैं। भारत के बढ़ते कद के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व मंच पर हमारी एक विश्वसनीय आवाज है, जो दक्षिणी देशों की चिंताओं को व्यक्त करने में प्रभावी है।

सुप्रीम कोर्ट को नहीं बनने दे सकते 'तारीख पे तारीख' अदालत, सीजेआई ने वकीलों को लगाई फटकार

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को वकीलों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को 'तारीख पे तारीख' अदालत बनने नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने बार से अपील की है कि मामलों को बहुत जरूरत पर पड़ने पर ही स्थगित किया जाए। दिन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने वकीलों द्वारा नये मामलों में स्थगन की मांग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों के अंदर 3,688 मामलों में स्थगन पर्ची दाखिल की गई हैं। जब तक बहुत जरूरी न हो, कृपया स्थगन पर्ची दाखिल न करें। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और प्रधान न्यायाधीश वाली पीठ ने कहा, 'हम नहीं चाहते कि यह अदालत तारीख-पे-तारीख अदालत बने। गौरतलब है, बॉलीवुड फिल्म 'दामिनी' में सनी देओल का मशहूर डायलॉग 'तारीख-पे-तारीख' था, जिसमें अभिनेता ने अदालतों में लंबित होते मामलों पर अफसोस जताया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि नये मामलों को अब सूचीबद्ध करने में समय नहीं लगता है, लेकिन जब वह सुनवाई के लिए आते हैं तो वकील लंबित करने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया बाहरी दुनिया को बहुत बुरा उदाहरण देती है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'बार के सदस्यों से मेरा एक अनुरोध है कि आज के लिए 178 स्थगन पर्चियां आई हैं और मैं स्थगन पर्चियों

पर नजर रख रहा हूं और मुझे कुछ आंकड़े मिले हैं। बार के सदस्यों द्वारा सितंबर से अक्तूबर तक औसतन प्रतिदिन 150 स्थगन पत्र दिए गए।' मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'इन दो महीनों के दौरान 3688 स्थगन पर्चियां मांगी गई हैं। मेरा मानना है कि यह मामले को दाखिल करने से लेकर लिस्टिंग तक की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य को विफल कर देगा।

कानून के जनगणना के बाद लागू होने वाले हिस्से को रद्द करना मुश्किल, महिला आरक्षण पर की 'सुप्रीम' टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महिला आरक्षण कानून को आगामी लोकसभा चुनाव से पहले अमल करने की मांग वाली याचिका को लंबित याचिका के साथ जोड़ने का फैसला लिया है। अदालत का कहना है कि महिला आरक्षण कानून के उस हिस्से को रद्द करना ह्यबहुत मुश्किलह्ण होगा, जिसमें कहा गया है कि इसे जनगणना के बाद लागू किया जाएगा। गौरतलब है, महिला आरक्षण कानून को आगामी लोकसभा चुनाव से पहले अमल करने की अर्जी कांग्रेसी नेता जया ठाकुर की ओर से दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि बहु प्रतिक्षित महिला आरक्षण विधेयक संसद से पास हो चुका है। यह अब कानून बन गया है, लेकिन कहा गया है कि यह परिसीमन के बाद लागू होगा। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई थी कि इस मामले में निर्देश दिया जाए कि इस पर अमल

लोकसभा चुनाव से पहले हो। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता जया ठाकुर की याचिका पर नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि इस मामले में शीर्ष अदालत के समक्ष एक याचिका लंबित है। उस लंबित याचिका के साथ ही जया ठाकुर की याचिका पर 22 नवंबर को सुनवाई करेगी। ठाकुर की ओर से अदालत में पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह की दलील को स्वीकार करने से इनकार करते हुए पीठ ने कहा कि जो कदम उठाया गया वो बहुत अच्छा कदम है। वकील ने कहा था कि यह समझा जा सकता है कि पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने के लिए आंकड़ें जुटाने के लिए जनगणना की आवश्यकता होती है, लेकिन आश्चर्य है कि महिला आरक्षण के मामले में जनगणना का सवाल कहां उठता है। सिंह ने कहा कि कानून का वह हिस्सा जो कहता है कि इसे जनगणना के बाद लागू किया जाएगा, मनमाना है और इसे खत्म किया जाना चाहिए।

तेजस्वी के लौटने के बाद बैठी नीतीश कैबिनेट फ्री बिजली कनेक्शन समेत 35 फैसले आए

पटना। मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना के दूसरे चरण में इच्छुक किसानों को चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत पार्ट वन के लिए निशुल्क कृषि विद्युत कनेक्शन प्रदान करने के साथ-साथ आवश्यक विद्युत संरचना के निर्माण के लिए 2190 करोड रुपए की नई योजना की स्वीकृति प्रदान की गई।

इस कैबिनेट ने ऊर्जा स्टेडियम के पास ही पुनाईचक में बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के आवासीय परिक्षेत्र में इनडोर स्टेडियम के निर्माण के लिए 42.10 करोड रुपए की योजना को स्वीकृति दी। शुक्रवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना के लिए 1063 करोड़ 46 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई। इसके तहत गैर गुणवत्ता प्रभावित 16426 वार्डों के 3393 छूटे हुए टोलों में पेयजल की व्यवस्था कराई जाएगी। इस राशि से जलापूर्ति संबंधित पूरी व्यवस्था का निर्माण होगा तथा 5 वर्षों तक इसके परिचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसी तरह भूजल गुणवत्ता से प्रभावित 30207 वार्डों के 7326 छूटे हुए टोलों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना के तहत 3642 करोड़ 72 लाख रुपए की राशि की स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह विभाग के अंतर्गत आपात अनुक्रिया सहायक तंत्र परियोजना के प्रथम चरण को विस्तारित करते हुए द्वितीय चरण के लिए 766 करोड़ 71 लाख 35 हजार रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। इस परियोजना के तहत राज्य के सभी 38 जिलों में अग्निशमन सेवा तथा आपातकालीन चिकित्सा सेवा को एकीकृत कर ERSS को क्रियाशील किया जाएगा। इस योजना के पूरा होने के बाद डायल 112 योजना पूरे राज्य में समान ढंग से लागू हो सकेगी, इसके जरिए एक कॉल पर पुलिस एंबुलेंस अग्निशमन जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

बढ़ते वायु प्रदूषण पर सियासत तेज, कांग्रेस ने कानून में व्यापक सुधार की मांग की

नई दिल्ली। देश में बढ़ते वायु प्रदूषण पर कांग्रेस ने शुक्रवार को चिंता व्यक्त की है। पार्टी ने वायु प्रदूषण अधिनियम और वायु गुणवत्ता मानकों को सख्त और प्रभावी बनाने के लिए उनमें पूर्ण सुधार का आह्वान किया है। यह मांग राष्ट्रीय राजधानी और देश के अन्य हिस्सों में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच आई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वायु प्रदूषण (नियंत्रण और रोकथाम) अधिनियम 1981 में अस्तित्व में आया। इसके बाद अप्रैल 1994 में परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों की घोषणा की गई और बाद में अक्टूबर 1998 में संशोधित किया गया। उन्होंने कहा, "नवंबर 2009 में आईआईटी कानपुर और अन्य संस्थानों द्वारा गहन समीक्षा के बाद एक अधिक कठोर और व्यापक राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) लागू किया गया था।" उन्होंने एनएएक्यूएस के प्रेस नोट को साझा करते हुए कहा कि इसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक माने जाने वाले 12 प्रदूषकों को शामिल किया गया है। रमेश ने कहा, "अब समय आ गया है कि अधिनियम और एनएएक्यूएस दोनों पर फिर से

विचार किया जाए और इसमें संपूर्ण सुधार किया जाए। पिछले एक दशक और उससे भी अधिक समय में स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के प्रभावों को लेकर ठोस सबूत हैं।" रमेश ने कहा, जनवरी 2014 में वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर एक विशेषज्ञ संचालन समिति की स्थापना की गई और इसने अगस्त 2015 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। तब से राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अधिकार छीने जाने के साथ-साथ कानून और मानकों दोनों की हमारी प्रवर्तन मशीनरी में कमजोरियां सामने आईं। कांग्रेस नेता ने कहा, "राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम बिना किसी खास प्रभाव के तेजी से आगे बढ़ रहा है। वायु प्रदूषण ज्यादातर नवंबर में सुर्खियों में आता है जब देश की राजधानी दम तोड़ देती है। लेकिन पूरे देश में यह साल भर रोजाना की पीड़ा है।" दिल्ली की वायु गुणवत्ता शुक्रवार की सुबह "गंभीर प्लस" श्रेणी में गिर गई, एक ऐसा चरण जब प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों, वाणिज्यिक चार पहिया वाहनों और सभी प्रकार के निर्माण पर प्रतिबंध सहित सभी आपातकालीन उपायों को शुरू करना और लागू करना अनिवार्य है।

'पांच साल में बदल देंगे छत्तीसगढ़ की तस्वीर', शाह ने घोषणापत्र 'मोदी की गारंटी' किया जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विभानसभा चुनाव के चलते कांग्रेस और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति चरम पर है। दोनों पार्टियां जनता से कई नए वादे भी कर रही हैं। इस बीच राज्य के दौरे पर गए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र जारी करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं यहां के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि हम आने वाले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ को पूर्ण विकसित राज्य बनाएंगे। अमित शाह ने इसी के साथ कहा कि ये हमारा घोषणा पत्र नहीं, यह हमारे लिए एक संकल्प पत्र है। शाह ने घोषणापत्र जारी करते हुए कहा कि हमने लाखों लोगों से चर्चा करके एक घोषणा पत्र "मोदी की गारंटी" तैयार किया है। शाह ने कहा कि इसमें हमने तय किया है कि हम कृषि उन्नति योजना की शुरूआत करेंगे, जिसके अंतर्गत 21 क्विंटल या एकड़ धान 3,100 रुपये के मूल्य पर खरीदी जाएगी। इसका एक मुश्त भुगतान किसानों को किया जाएगा। शाह ने आगे सीएम भूपेश बघेल पर हमला बोलते हुए कहा कि झूठा प्रचार करने में पूरे देश में इनका कोई

सानी नहीं है। शाह ने कहा कि सीएम ने बस झूठा प्रचार कर 5 साल के लिए यहां सरकार चलाई, लेकिन इसमें उन्होंने केवल घोटाले ही किए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 5 वर्ष में कानून व्यवस्था के मामले में भी भूपेश बघेल सरकार फिसड्डी साबित हुई। इन्होंने 300 से ज्यादा वादे किए थे, जो पूरे नहीं किए गए।

संपादकीय

भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ने का दावा करने वाले अरविंद केजरीवाल आखिर ईडी से क्यों भागते हैं दूर

प्रवर्तन निदेशालय के फरमान पर अरविंद केजरीवाल के हाजिर न होने को लेकर स्वाभाविक ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने शराब घोटाला मामले में पूछताछ के लिए गुरुवार को उन्हें बुलाया था। मगर वहां जाने के बजाय एक पत्र लिख कर उन्होंने पूछा कि उन्हें किस हैसियत से बुलाया गया है। पत्र में न तो उन पर कोई आरोप स्पष्ट है और न यह बताया गया है कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर तलब किया गया है, मुख्यमंत्री के तौर पर या गवाह के रूप में। केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय के फरमान को राजनीति से प्रेरित और गैरकानून करार दे दिया। पूछा जा रहा है कि अब प्रवर्तन निदेशालय उनके खिलाफ क्या कार्रवाई कर सकता है। दरअसल, जैसे ही प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को नोटिस भेजा, वैसे ही तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे थे। भाजपा के नेता दावे करने लगे थे कि अब केजरीवाल भी गिरफ्तार होंगे। उधर आम आदमी पार्टी के नेता भी ऐसी ही आशंकाएं व्यक्त करने लगे थे। इसे लेकर सदा की तरह आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार पर हमले करती रही। मगर इन सब सियासी पैंतरों और बयानबाजियों के बीच यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ने और खुद को कट्टर ईमानदार पार्टी बताने वाली आम आदमी पार्टी के संयोजक ने इस जांच से खुद को दूर रखने का फैसला क्यों किया। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज के तरीके को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस पर सर्वोच्च न्यायालय भी कड़े शब्दों में उसके अधिकार क्षेत्र को रेखांकित कर चुका है। निदेशालय के ज्यादातर छापे और गिरफ्तारियां या पूछताछ की कार्रवाइयां विपक्षी नेताओं के खिलाफ ही हुई हैं, इसलिए भी उसकी मंशा पर सवाल गहरे हुए हैं। मगर इसका मतलब यह नहीं कि खुद को ईमानदार बताने वाले केजरीवाल भी उन्हीं आरोपों की आड़ में पूछताछ से बचने का प्रयास करें। उनसे लोगों की स्वाभाविक उम्मीद थी कि वे प्रवर्तन निदेशालय के सामने अपना पक्ष रखेंगे और बेदाग बाहर निकलेंगे। मगर ऐसा न करके वे कई उलझे सवाल छोड़ गए हैं। कानूनी कार्रवाइयों को कानूनी दांव-पेंच से ही निपटाया जा सकता है, उसमें सियासत ले आना ठीक नहीं कहा जा सकता। यों वे पहले मुख्यमंत्री नहीं हैं, जिन्होंने प्रवर्तन निदेशालय के फरमान की अवहेलना करते हुए पूछताछ में सहयोग न करने का फैसला किया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय पांच बार नोटिस भेज चुका है, मगर वे पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए हैं। हालांकि इस आशंका को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता कि अगर अरविंद केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय जाते, तो उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सकता था। पहले ही उनके दो बड़े नेताओं-उपमुख्यमंत्री रहते मनीष सिसोदिया को और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को इसी मामले में सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। पिछले दिनों जिस तरह कहा गया कि शराब घोटाले में अगर लाभ पूरी पार्टी को मिला है, तो पूरी पार्टी को आरोपी बनाया जाना चाहिए। उससे भी साफ हो गया था कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय आम आदमी पार्टी के किसी भी नेता को पूछताछ के लिए बुला और फिर गिरफ्तार कर सकती है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का मतलब है कि पूरी पार्टी और दिल्ली सरकार अशक्त हो जाएगी। मगर केवल ऐसे कयासों के आधार पर किसी को कानून के साथ सहयोग न करने की छूट नहीं मिल जाती।

रहे जीत ये जारी !

गर्व की अनुभूति ।
रहे जीत ये जारी ।।
फिर भी आगे और बहुत ।
है करनी तैयारी ।।
मार रहे मैदान ।।
सिलसिला बढ़ाना ।।
रहा निहार ऐसे ही ।
नजरों से जमाना ।।
लाई मेहनत रंग ।
है हुआ सुधार ।।
हो गई है बल्ले बल्ले ।
दिन पर दिन निखार ।।
झूम रहे प्रशंसक ।
लेकर के आनंद ।।
चेहरे पर मुस्कान भी ।
रहती मंद मंद ।।

–कृष्णेन्द्र राय

यूपी में जातीय जनगणना के नाम पर ओबीसी सियासत को नये आयाम दे रही है कांग्रेस

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज हमेशा से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है लेकिन ओबीसी वोटर कभी किसी पार्टी के बंधुआ बनकर नहीं रहे। परंतु जिसके भी साथ रहे उसकी तकदीर बदल दी और जिसका साथ छोड़ दिया वह कहीं का नहीं बचा। एक समय ओबीसी कांग्रेस का मजबूत वोटर हुआ करता था। अस्सी के दशक तक ओबीसी वोटरों का साथ कांग्रेस को मिलता रहा, जिसके बल पर कांग्रेस ने 1989 तक यूपी में सत्ता सुख उठाया, इसके बाद राम मंदिर की राजनीति में ओबीसी पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी के साथ हो गया। वहीं ओबीसी में आने वाले करीब 8 फीसदी यादव वोटर समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ गये, जो आज तक इमोशनल वजह से सपा के साथ लगाव रखता है, क्योंकि सपा की मुख्य लीडरशिप यादव बिरादरी से ताल्लुक रखती है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार यूपी में ओबीसी वोटरों की आबादी करीब 42 फीसदी है इसीलिए इस वर्ग का मोह कोई छोड़ नहीं पाता है। यह कहने में भी किसी को संकोच नहीं होगा कि आज बीजेपी ओर मोदी जिस मुकाम पर हैं, उसके पीछे की सबसे बड़ी वजह ओबीसी वोटर ही हैं, जो पूरी तरह से बीजेपी के साथ लामबंद हैं। इसी वोट बैंक में सेंधमारी के लिए कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व लगातार प्रयासरत है। कांग्रेस द्वारा जातीय जनगणना की मांग भी इसीलिए की जा रही है ताकि बीजेपी के ओबीसी वोटरों को अपने (कांग्रेस) पाले में खींचा जा सके। इसको लेकर राहुल गांधी लगातार बयानबाजी करते रहते हैं, जबकि एक समय कांग्रेस जातीय जनगणना के बिल्कुल खिलाफ हुआ करती थी। कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जातीय जनगणना की मांग को विघटनकारी मानकर इसका सदैव विरोध करते रहे थे जबकि जातीय राजनीति करने वाले तमाम क्षेत्रीय दल जातीय जनगणना की वकालत में लगे रहते थे। इसमें समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह यादव से लेकर राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव जैसे नेता शामिल थे। मगर इन नेताओं ने सत्ता में रहते हुए कभी भी जातीय जनणना कराये जाने की ठोस शुरूआत नहीं की थी क्योंकि वह जानते थे कि जातीय जनगणना कराये जाने की मांग करके सियासी फायदा तो उठाया जा सकता है, लेकिन इसके सहारे सत्ता चलाना कभी आसान नहीं रहेगा। खैर, आज की कांग्रेस का स्वभाव बिल्कुल बदल गया है। वह येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाने से गुरेज नहीं करती है। जबसे बिहार में जातीय जनगणना के नतीजे आये हैं तबसे जातीय जनगणना कराये जाने को लेकर कांग्रेस में उतावलापन कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। कांग्रेस जातीय जनगणना को मुद्दा बनाकर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव

में भी बिसात बिछाने की तैयारी कर रही है, इसीलिए जातीय जनगणना पर अपनी नीति साफ करने और आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए यूपी कांग्रेस लगातार ओबीसी वोटरों को लामबंद करने में लगी है। इसी क्रम में 30 अक्टूबर को लखनऊ के गांधी भवन सभागार में हुए कांग्रेस के राज्य स्तरीय पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में तय किया गया है कि जातीय जनगणना की मांग को लेकर योगी सरकार पर दबाव बनाने के लिए पिछड़ों के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा। कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश भर के ओबीसी नेताओं की जुटान देखने को मिली। यूपी कांग्रेस के इस सम्मेलन में जातीय जनगणना और ओबीसी समाज को लेकर आगे के कार्यक्रम के स्वरूप पर चर्चा के साथ तय किया गया कि इस मुद्दे पर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जनसभा करके जातीय जनगणना के फायदे और कांग्रेस के एजेंडे से वाकिफ कराया जायेगा। गौरतलब है कि यूपी कांग्रेस जातिगत जनगणना की मांग को लेकर इस साल मई से कार्यक्रम चला रही है। मंडलवार सम्मेलनों के बाद जिलावार सम्मेलन किए गए थे। इसमें कांग्रेस की तरफ से जातिगत जनगणना की मांग पर राय स्पष्ट की गई और लोगों को ओबीसी समाज के लिए कांग्रेस की नीतियों से अवगत करवाया गया। अब कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर और निचले स्तर पर जाना चाहती है। यूपी कांग्रेस द्वारा अब तक कराये गये कार्यक्रमों में ओबीसी समाज के लिए कांग्रेस की नीति साफ करने के लिए पर्चे बांटे गए थे। इसमें प्रदेश कांग्रेस की तरफ से बताया गया था कि अब तक कांग्रेस ने ओबीसी समाज के लिए क्या किया है। इन पर्चों में मंडल कमीशन के अध्यक्ष रहे बिहार के पूर्व सीएम बीपी मंडल के पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी को लिखे पत्र का भी जिक्र है, जिसमें उन्होंने कहा कि तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के प्रशासनिक और व्यक्तिगत सहयोग के बिना मंडल कमीशन की रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकती थी। लब्बोलुआब यह है कि अपनी स्थापना के करीब सवा सौ साल बाद कांग्रेस पहली बार खुलकर ओबीसी राजनीति के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। उदयपुर और फिर रायपुर सम्मेलन में कांग्रेस के राजनीतिक प्रस्तावों में जातिगत जनगणना को लेकर प्रस्ताव पास हुए थे। कांग्रेस की पिछली कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में भी जातिगत जनगणना की मांग पर चर्चा हुई थी और इसकी मांगों को लेकर कार्यक्रम किए जाने पर सहमति बनी थी। यूपी में इस मसले पर अलग-अलग कार्यक्रम जारी हुए और इसे चुनाव तक आगे जारी रखने की योजना बनाई गई है। देखना यह है कि कांग्रेस का यह दांव ओबीसी वोटरों को कितना प्रभावित करता है, वैसे कुछ हद तक इसकी तस्वीर पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव से भी साफ हो जायेगी, जहां कांग्रेस ने जातीय जनगणना को बड़ा मुद्दा बनाया है और सत्ता में आने पर जातीय जनगणना कराये जाने का दावा कर रही है।

दुर्घटनाओं के आंकड़े सड़क सुरक्षा नियमों की विफलता को दर्शा रहे हैं

ललित गर्ग

सड़क हादसों पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की डरावनी, चिन्ताजनक एवं भयावह रिपोर्ट आई है। इसके मुताबिक, पिछले साल 4.61 लाख सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में 1.68 लाख लोगों ने जान गंवाई। इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि तकरीबन हर एक घंटे में 53 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। हर घंटे इनमें 19 लोगों की मौत हुई। हादसों एवं लापरवाही की खूनी होती सड़कें चिन्ता का बड़ा सबब हैं। सड़कों की दुर्घटनाओं के कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। सच यह है कि बेलगाम वाहनों एवं यातायात कानूनों एवं नियमों की अवहेलना की वजह से सड़कें अब पूरी तरह असुरक्षित हो चुकी हैं। सड़क पर तेज गति से चलते वाहन एक तरह से हत्या के हथियार होते जा रहे हैं। उक्त रपट यह भी बताती है कि सड़क हादसों की संख्या में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और उनसे होने वाली मृत्यु की दर 9.4 प्रतिशत बढ़ी। इसी तरह सड़क हादसों में घायल होने वालों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक्सप्रेसवे हाईवे और राजमार्गों पर ओवर स्पीडिंग जानलेवा दुर्घटनाओं को निमंत्रण देने का ही काम करती है लेकिन न तो वाहन चालक अपनी जिम्मेदारी समझने को तैयार हैं और न ही सरकारें एवं यातायात पुलिस। बीते वर्ष सड़क हादसों में 66 हजार से अधिक लोगों ने इसलिए जान गंवाई क्योंकि उन्होंने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी या फिर हेलमेट नहीं लगाया था।

यह विडम्बनापूर्ण है कि हर रोज ऐसी दुर्घटनाओं और उनके भयावह नतीजों की खबरें आम होने के बावजूद बाकी वाहनों के मालिक या चालक कोई सबक नहीं लेते। सड़क पर दौड़ती गाड़ी मामूली गलती से भी न केवल दूसरों की जान ले सकती है, बल्कि खुद चालक और उसमें बैठे लोगों की जिंदगी भी खत्म हो सकती है। पर लगता है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं शौक का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 2024 तक देश में दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौत की संख्या को आधा करने का लक्ष्य रखा है, जो एक उम्मीद जगाता है एवं रोशनी बन रहा है। दुनिया में सर्वाधिक तेजी से उन्नत सड़कों का जाल बिछाने में भारत अग्रणी है। लेकिन सुविधाजनक एवं उन्नत होती सड़कों पर मौत की काली छाया का मंडराना सड़क विकास पर एक बदनुमा दाग है। यह दाग सरकारी रिपोर्ट में ही सामने आया है, जिसके अनुसार देश में 2022 में कुल 4,61,312 सड़क हादसे हुए, जिनमें से 1,51,997 यानी 32.9 प्रतिशत हादसे एक्सप्रेसवे एवं राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर हुए। वहीं 1,06,682 यानी 23.1 प्रतिशत हादसे राज्य राजमार्गों जबकि 2,02,633 यानी 43.9 प्रतिशत हादसे अन्य सड़कों पर हुए। रिपोर्ट कहती है कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों में एक बड़ी संख्या सुरक्षात्मक साधनों का इस्तेमाल न करने वालों की रही। सीट बेल्ट न पहनने की वजह से 16,715 लोगों की इन हादसों में मौत हो गई जिनमें से 8,384 लोग ड्राइवर थे जबकि बाकी 8,331 लोग वाहन में बैठे यात्री थे। इसके अलावा 50,029 दोपहिया सवार भी हेलमेट न पहनने की वजह से इन हादसों में अपनी जान गंवा बैठे। लगातार चौथे साल घातक सड़क दुर्घटना का सबसे अधिक युवा शिकार हुए। राज्यों में तमिलनाडु में 2022 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक 64,105 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जबकि सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों की संख्या उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 22,595 रही।

सड़क दुर्घटनाओं का लगातार बढ़ना अनेक सवाल खड़े करता है। तभी सुप्रीम कोर्ट भी तल्ख टिप्पणी कर चुका है कि ड्राइविंग लाइसेंस किसी को मार डालने के लिए नहीं दिए जाते। हादसों से संबंधित कानूनी प्रावधान अभी इस कदर कमजोर हैं कि किसी की लापरवाही की वजह से दो-चार या ज्यादा लोगों की जान चली जाती है और आरोपी को कई बार थाने से ही छोड़ दिया जाता है। सड़क दुर्घटनाओं ने कहर बरपा रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2009 में सड़क सुरक्षा पर अपनी पहली वैश्विक स्थिति रिपोर्ट में सड़क दुर्घटनाओं को दुनिया भर में ह्यसबसे बड़े कातिलह्न के रूप में पहचान की थी। भारत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में 78.7 प्रतिशत हादसे चालकों की लापरवाही के कारण होते हैं। वैसे एक प्रमुख वजह शराब व अन्य मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन चलाना है। विडंबना यह है कि जहां हमें पश्चिमी देशों से कुछ सीखना चाहिए वहां हम आंखें मूंद लेते हैं और पश्चिम की जिन चीजों की हमें जरूरत नहीं है उन्हें सिर्फ इसलिए अपना रहे हैं कि हम भी आधुनिक कहला सकें। एक आकलन के मुताबिक आपराधिक घटनाओं की तुलना में पांच गुना अधिक लोगों की मौत सड़क हादसों में होती है। कहीं बदहाल सड़कों के कारण तो कहीं अधिक सुविधापूर्ण अत्याधुनिक चिकनी सड़कों पर तेज रफ्तार अनियंत्रित वाहनों के कारण ये हादसे होते हैं। दुनिया भर में सड़क हादसों में बारह लाख लोगों की प्रतिवर्ष मौत हो जाती है, जिनमें भारत में सर्वाधिक मौते होती है। ट्रैफिक व्यवस्था कुछ अंशों में महानगरों को छोड़कर कहीं पर भी पर्याप्त व प्रभावी नहीं है। पुलिस "व्यक्ति" की सुरक्षा में तैनात रहती है "जनता" की सुरक्षा में नहीं। हजारों वाहन प्रतिमास सड़कों पर नए आ रहे हैं, भीड़ बढ़ रही है, रोज किसी न किसी को निगलने वाली "रेड लाइनें" बढ़ रही हैं। दुर्घटना में मरने वालों की तो गिनती हो जाती है पर वाहनों से निकलने वाले जहरीले धुएँ से प्रतिदिन मौत की ओर बढ़ने वालों की गिनती असंख्य है। वाहनों में सुधार हो रहा है पर सड़कों और चालकों में कोई सुधार नहीं। सन् 2023 तक वाहनों का उत्पादन और मांग जिस अनुपात में बढ़ेगी, सड़कें उस अनुपात में नहीं। अतः यातायात-अनुशासन बहुत जरूरी है। नया भारत निर्मित करने, औद्योगिक विकास और पूंजी निवेश के लिए सरकार सभी प्रकार के गति-अवरोधक हटा रही है। लगता है सड़कों पर भी गति अवरोध हटा रही है। कोई चाहिए जो नियमों की सख्ती से पालना करवा के निदोषों को मौत के मुंह से बचा सके। 1988 में बने मोटर वाहन अधिनियम का व्यावहारिकता से परे होना भी दुर्घटनाओं का बड़ा कारण है। पिछले तीन दशकों में सड़क परिवहन में आए बदलाव के अनुरूप मोटर अधिनियम में व्यापक बदलाव की दरकार है।

किसानों ने बड़ी मेहनत से मध्य प्रदेश को बीमारू राज्यों की श्रेणी से बाहर निकाला है

प्रह्लाद सबनानी

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं इसमें से बहुत बड़ा भाग अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। यदि ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि होने लगे तो भारत के आर्थिक विकास की दर को चार चांद लगाते हुए इसे प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत से भी अधिक किया जा सकता है। इसी दृष्टि से केंद्र सरकार लगातार यह प्रयास करती रही है कि किसानों की आय को किस प्रकार दुगुना किया जाय। इस संदर्भ में कई नीतियों एवं सुधार कार्यक्रमों को लागू करते हुए किसानों की आय को दुगुना किये जाने के भरसक प्रयास किए गए हैं। अप्रैल 2016 में इस सम्बंध में एक मंत्रालय समिति का गठन भी केंद्र सरकार द्वारा किया गया था एवं किसानों की आय बढ़ाने के लिए सात स्रोतों की पहचान की गई थी, इनमे शामिल हैं, फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करना, पशुधन की उत्पादकता में वृद्धि करना, संसाधन के उपयोग में दक्षता हासिल करते हुए कृषि गतिविधियों की उत्पादन लागत में कमी करना, फसल की सघनता में वृद्धि करना, किसान को उच्च मूल्य वाली खेती के लिए प्रोत्साहित करना (खेती का विविधीकरण), किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाना एवं अधिशेष श्रमबल को कृषि क्षेत्र से हटाकर गैर कृषि क्षेत्र के पेशों में लगाना। उक्त सभी क्षेत्रों में केंद्र सरकार द्वारा किए गए कई उपायों के अब सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं एवं कई प्रदेशों में किसानों के जीवन स्तर में सुधार दिखाई दे रहा है, किसानों की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है एवं कुल मिलाकर अब देश के किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है। इस संदर्भ में मध्य प्रदेश में किसानों ने भी आगे बढ़कर प्रदेश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का भरपूर प्रयास किया है। आज से कुछ वर्ष पूर्व तक मध्य प्रदेश की गिनती देश के बीमारू राज्यों की श्रेणी में की जाती थी। बीमारू राज्यों की श्रेणी में मध्य प्रदेश के अलावा तीन अन्य राज्य भी शामिल थे, यथा, बिहार, राजस्थान एवं उत्तरप्रदेश। इन राज्यों को बीमारू राज्य इसलिए कहा गया था क्योंकि इन राज्यों में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर बहुत कम थी एवं औसत प्रति व्यक्ति आय बहुत कम होने के चलते गरीबी से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या भी बहुत अधिक थी। इसके कारण, इन प्रदेशों में अशिक्षा की दर अधिक थी, ग्रामों में चिकित्सा सहित अन्य सुविधाओं का नितांत अभाव था तथा इन प्रदेशों में जनसंख्या वृद्धि दर भी तुलनात्मक रूप से अधिक थी। कुल मिलाकर, ये प्रदेश कुछ ऐसी विपरीत परिस्थितियों में फसें हुए थे कि इन प्रदेशों में विकास की दर को बढ़ाना बहुत ही मुश्किलों भरा कार्य था, इसलिए इन्हें बीमारू राज्य बोला जाता था।

मध्य प्रदेश की आर्थिक व्यवस्था भी मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र पर आधारित है। प्रदेश में लगभग दो तिहाई आबादी ग्रामों में निवास करती है एवं यहां लगभग 54 प्रतिशत जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। वर्ष 2005-06 से 2014-15 के दौरान मध्य प्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में औसतन 9.7 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की है। इसके बाद के 5 वर्षों के दौरान तो कृषि क्षेत्र में औसत विकास दर बढ़कर 14.2 प्रतिशत प्रतिवर्ष की रही है। यह पूरे देश में सभी राज्यों के बीच कृषि क्षेत्र में अर्जित की गई सबसे अधिक विकास दर है। आज मध्य प्रदेश कई उत्पादों की पैदावार में देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। उदाहरण के तौर पर, संतरा (देश के कुल उत्पादन में मध्य प्रदेश का हिस्सा लगभग 30 प्रतिशत है), चना (लगभग 45 प्रतिशत), सोयाबीन (लगभग 57 प्रतिशत), लहसुन (लगभग 32 प्रतिशत) एवं टमाटर (लगभग 16 प्रतिशत) के उत्पादन में मध्य प्रदेश, पूरे देश में, प्रथम स्थान पर आ गया है। दलहन और तिलहन उत्पादन में भी क्रमशः 24 प्रतिशत एवं 25 प्रतिशत के योगदान के साथ मध्य प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इसी प्रकार, गेहूं (लगभग 19 प्रतिशत), प्याज (लगभग 15 प्रतिशत), हरा मटर (लगभग 20 प्रतिशत), अमरूद (लगभग 14 प्रतिशत) एवं मक्का (लगभग 12 प्रतिशत) के उत्पादन में मध्य प्रदेश, पूरे देश में द्वितीय, स्थान पर आ गया है। साथ ही, धनिया (लगभग 19 प्रतिशत), लाल मिर्ची (लगभग 7 प्रतिशत), सरसों एवं दूध के उत्पादन में मध्य प्रदेश, पूरे देश में, तीसरे स्थान पर आ गया है। कुल मिलाकर भारत के कुल खाद्यान उत्पादन में मध्य प्रदेश लगभग 7.7 प्रतिशत का योगदान देता है। खाद्य पदार्थों के उत्पादन के मामले में उत्तर प्रदेश के बाद आज मध्य प्रदेश पूरे देश में दूसरे नम्बर पर है। मध्य प्रदेश सरकार ने दरअसल ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्रकार की सुविधाएं किसानों को उपलब्ध करायीं हैं जिसके कारण कृषि के क्षेत्र में मध्य प्रदेश ने चहुंमुखी विकास किया है। सबसे पहले तो सिंचाई की सुविधाओं को वृहद्द स्तर पर गावों में उपलब्ध कराया गया है। मध्य प्रदेश में वर्ष 2000-01 में सिंचाई सुविधाओं का औसत 24 प्रतिशत था, जो कि राष्ट्रीय स्तर के औसत 41.2 प्रतिशत से बहुत ही कम था। परंतु मध्य प्रदेश की सरकार के इस क्षेत्र में मिशन मोड में काम करने के कारण सिंचाई सुविधाओं का औसत स्तर वर्ष 2014-15 में बढ़कर 42.8 प्रतिशत हो गया जो राष्ट्रीय औसत के 47.8 प्रतिशत के काफी करीब पहुंच गया। आज तो यह औसत और भी अधिक आगे आ गया है और प्रदेश में सिंचाई क्षमता 47 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गई है। साथ ही, किसानों के फसल की बुआई एवं कटाई करते समय जब-जब बिजली की आवश्यकता होती है, उसे प्राथमिकता के आधार पर सही समय पर उपलब्ध कराई जाती है। आज तो मध्य प्रदेश के अधिकतर गावों में लगभग 24 घंटे बिजली उपलब्ध है। इन सबके ऊपर, प्रदेश के सारे गांवों को सभी मौसमों में 24 घंटे उपलब्ध रोड के साथ जोड़ दिया गया है। मध्य प्रदेश में आज सड़कों की लम्बाई 5 लाख किलोमीटर से अधिक हो गई है। साथ ही साथ, गेहूं की खरीद पर प्रदेश सरकार की ओर से विशेष बोनस किसानों को उपलब्ध कराया गया है, जिसके चलते किसान गेहूं की फसल को बोने की ओर प्रेरित हुए हैं एवं गेहूं के उत्पादन में मध्य प्रदेश पूरे देश में द्वितीय स्थान पर आ गया है।

कार्यक्रम स्थल पर हुई पुलिस ब्रीफिंग, व्यवस्था संबंधी दिए निर्देश

बलिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को कार्यक्रम स्थल पर ब्रीफिंग की गई। इसमें पुलिस महानिरीक्षक अखिलेश तिवारी ने ड्यूटी पर लगाए गए पुलिस अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने भी ड्यूटी पर लगाए गए मजिस्ट्रेट को उनके कार्य से संबंधित जानकारी दी। कहा कि यह वीआईपी ड्यूटी है, लिहाजा जिनको जो जिम्मेदारी मिली है, उसका निर्वहन पूरी गंभीरता से करेंगे। पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान जब तक कोई आपात स्थिति ना आए, लोगों के जाने का मोमेंट नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री का आगमन और प्रस्थान सुव्यवस्थित और सकुशल तरीके से संपन्न होना चाहिए। सभी अधिकारियों को जो जिम्मेदारी दी गई है उसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराए। कोई भी लापरवाही और शिथिलता कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।मुख्यमंत्री जी का जो प्रोटोकॉल है, उसके अनुसार ही सभी कार्य सुनिश्चित किए जाएंगे। कार्यक्रम में आने वाले लोगों को शालीनता के साथ उनके बैठने वाले क्षेत्र में भेजा जाए। जिधर प्रतिबंधित एरिया होगा, उधर कोई नहीं जाने पाए। पुलिस अधीक्षक एस.आनंद ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इससे पहले अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी ने रूट चार्ट के साथ सभी जवानों की उनकी ड्यूटी क्षेत्र की विस्तृत जानकारी दी। ब्रीफिंग में, जिलाधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायती राज अधिकारी यतेंद्र सिंह, एसडीएम सदर आत्रेय मिश्र, एसडीएम बांसडीह राजेश कुमार सहित अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

प्रतिभावान कलाकारों से बेगम अख्तर पुरस्कार के लिये मांगा गया आवेदन

भदोही। मल्लिका-ए- गजल बेगम अख्तर की स्मृति में दादरा, ठुमरी, गजल विधाओ में ऐसे प्रतिभावन गायक जिनकी आयु 40 वर्ष से कम न हो, को बेगम अख्तर पुरस्कार से सम्मानित किये जाने के लिये पात्र महानुभावो का नामाकंन संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा मांगा गया हैं। निदेशक संस्कृति निदेशालय उत्तर प्रदेश, द्वारा निर्धारित पात्रता के अनुसार बेगम अख्तर पुरस्कार 2023-24 के लिये कलाकार उत्तर प्रदेश का मूल निवासी अथवा उसकी कर्मभूमि प्रदेश होना चाहिए, कलाकार की आयु 40 वर्ष से कम नही होनी चाहिए, कलाकार को अपनी प्रतिभा की दीर्घ साधना एवं श्रेष्ठ उपलब्धि के भरसक निर्विवाद के मानदण्डों के आधार पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होनी चाहिये, यह पुरस्कार कलाकार के क्षेत्र में सम्पूर्ण उपलब्धियों को आधार पर प्रदान किया जायेगा, न कि किसी एक विशिष्ट संरचना के लिये। बेगम अख्तर पुरस्कार का उद्देश्य दादरा, ठुमरी के क्षेत्र में विशेष प्रतिभावान विशिष्ट गायक हो, जिसने अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उत्कृष्ठ आयाम स्थापित किया हो तथा राष्ट्रीय स्तर पर गौरान्वित किया हो, को सम्मानित करना है।

सलेमपुर लोकसभा के दियरा टुकड़ा नंबर 2 ग्राम सभा में विकास है कोसो दूर : रौशन सिंह चंदन

बलिया। एक तरफ केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार का नारा - सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास, का है। वही जनपद बलिया का सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र का एक ऐसा भी गांव है, जहां के लोग अपने सांसद को पिछले साढ़े नौ सालों से देखने को तरस रहे है। जबकि यह ग्राम सभा मनियर नगर पंचायत से मात्र लगभग 5 किमी की दूरी पर है। इस ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से एएनएम सेंटर तक नहीं बनाया गया है। इस गांव से मनियर आने वाली सड़क ऐसी है कि अगर गर्भवती महिला को प्रसव दर्द शुरू हुआ और मनियर के लिये परिजन ले कर चले तो बच्चे के रास्ते में ही पैदा होने की 99.99 प्रतिशत की गारंटी है। उपरोक्त आरोप कांग्रेस के नेता और सलेमपुर लोकसभा से संभावित उम्मीदवार रौशन सिंह चंदन ने लगाया है।बता दे कि श्री चंदन सलेमपुर लोकसभा के अंतर्गत मनियर और दियरा टुकड़ा नंबर 2 में अपनों से मुलाकात कर आशीर्वाद लेने पहुंचे थे, तब स्थानीय लोगों ने अपने दुखड़े कों बयान किया। स्थानीय लोगों ने श्री चंदन को गांव के खेतों में घुमा कर अपनी बर्बाद हो चुकी धान की फसलों को दिखाकर कहा कि सरकार कहती है कि सबका विकास हमारा लक्ष्य है लेकिन कोई आकर देखे तो पता चल जायेगा कि हमारा विकास नहीं विनाश हुआ है। धान की फसल बर्बाद हो गयी है लेकिन कोई मुआवजा नहीं मिल रहा है।गांव तक आने वाली और गांव के अंदर सड़कों का यह हाल है कि आपको कहने के लिये मजबूर होना पड़ेगा कि सड़क में गड्ढे नहीं बल्कि गड्ढों में सड़के है।

संचारी रोगों के प्रति जन जागरुकता अभियान

दुबहर बलिया। जिलाधिकारी/अध्यक्ष के निर्देशन के क्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी बलिया एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचारी रोग जन जागरूकता अभियान का कार्यक्रम शहीद मंगल पांडेय राजकीय महिला महाविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य चिकित्साधिकारी/उपाध्यक्ष डा० विजयपति द्विवेदी ,अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी /सचिव डॉ आनंद कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील यादव तथा महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ राजेश्वर कुमार ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉक्टर विजय पति द्विवेदी ने कहा कि संचारी रोगों को हराने का अचूक उपाय जन जागरूकता है। उन्होंने कहा कि हमारी चिकित्सा व्यवस्था ने सदियों से पूरे विश्व का मार्ग दर्शन किया है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आनंद कुमार ने संचारी एवं क्षय रोगों से बचाव के उपाय को विस्तार से बताया। जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव ने डेंगू , मलेरिया, फाइलेरिया, कालाजार, दिमागी बुखार आदि के कारण, लक्षण, जांच एवं उपचार के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने कहा कि किसी भी बुखार की स्थिति में तत्काल नजदीक स्वास्थ्य केंद्र जाकर समय से अपना जांच व उपचार करायें। जिला शिकायत नोडल अधिकारी अनुपम सिंह ने उपस्थित लोगों को आयुष्मान भारत योजना के बारे में विस्तार से बताया। जिला समन्वयक शैलेन्द्र पाण्डेय ने रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया इस अवसर पर महाविद्यालय की बच्चियों में सेनेटरी पैड्स के वितरण के साथ पात्र लाभार्थियों के बीच आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से उप सभापति विजय कुमार शर्मा , डॉ पंकज ओझा,दीपक झा,इस रार खां,शिवेंद्र दुबे, अमित सिंह, बी पी एम दुबहड़ शशी सिंह,धनंजय सिंह,विवेक सिंह,रोहित गुप्ता, जितेन्द्र कुमार यादव आदि लोग मौजूद रहे।

जोश प्रतियोगिता में अव्वल आए मेधावी छात्र-छात्रा हुए पुरस्कृत

बलिया। जनपद हनुमानगंज ब्लॉक क्षेत्र के बरवाँ ग्राम सभा क्षेत्र अंतर्गत दुधेश्वर नाथ बाबा के परिसर में जोश प्रतियोगिता एवं मेला समिति युवक मंगल दल के द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता में अव्वल आए हुए छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजन किया था । मुख्य अतिथि रसड़ा विधायक उमाशंकर सिंह के प्रतिनिधि अरविंद सिंह एवं रणजीत सिंह 'पिन्की' व अध्यक्ष मनोज सिंह चौहान तथा मनोज शाह, सुभाष सिंह चौहान के द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूवात किया । जोश प्रतियोगिता में पांचवी कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक के बच्चो ने प्रतिभाग किया था । जिसमे प्रत्येक कक्षा के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय के साथ सांत्वना पुरस्कार के रूप में मेडल, पेन, स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया । इस जोश प्रतियोगिता में ऑल ओवर कक्षा में अव्वल आए हुए प्रथम स्थान मंजीत चौरसिया को साइकिल, द्वितीय स्थान शुभम पासवान को कूलर एवं तृतीय स्थान रजत प्रजापति को स्टैंड फैन देकर मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया । मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा की आज के युग में प्रतियोगी परीक्षाओं का बड़ा ही महत्व है। इससे छात्रों में पढ़ाई के प्रति रूझान पैदा होती है। प्रतियोगी परीक्षा हो या खेल प्रतियोगिता उससे छात्रों में छिपी प्रतिभा बाहर निकलकर आती है। युवक मंगल दल के पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक मनोज शाह ने कहा कि जोश प्रतियोगिता शिक्षा व खेल के प्रति जोश पैदा करता है आगे कहा कि अगले वर्ष से इन प्रतियोगिता के साथ संगीत प्रतियोगिता भी करायी जायेगी ।समिति ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया । उ०मा० विद्यालय शेरखां कला के बच्चों द्वारा हैरतगंज योगासन कलां का भी प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों में हार-जीत की कलां पर भी खुब चर्चा देखने को मिली। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों के अलावा आमलोगों में खासा उत्साह रहा देखने को मिला देर शाम तक हुए इस कार्यक्रम में सैकड़ो छात्र छात्राओं के साथ सकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे ।

भुवनेश्वर पासवान ने फीता काटकर किया रामलीला का शुभारंभ

दुबहर, बलिया। आदर्श रामलीला कमेटी नगवा के मंच पर बुधवार की रात रामलीला के दौरान 'नारद मोह' का मंचन किया गया। इसके पूर्व जगद्गुरु डा. जयगणेश चौबे जयकांताचार्य ने मंत्रोचार के बीच अरुणेश पाठक एवं अजीत पाठक के हाथों भूमि पूजन संपन्न कराई। भगवान विष्णु की आरती लगी, इसके बाद प्रधान प्रतिनिधि भुवनेश्वर पासवान ने फीता काटकर रामलीला का शुभारंभ कराया। नारद मोह की लीला में, नारद हिमालय की कंदरा में बैठकर तपस्या करने लगे। इसे देख इंद्र को भय हो गया कि नारद तपस्या के बल पर हमारा सिंहासन प्राप्त करना चाहते हैं। इंद्र अपने सखा कामदेव को नारद की तपस्या भंग करने को भेजते हैं। तपस्या भंग नहीं हुई तो कामदेव हार मान गए। इस पर नारद को घमंड हो गया कि मैंने कामदेव को जीत लिया। यह बात ब्रह्मा और शंकर से जाकर बताएं। इधर भगवान विष्णु ने नारद के घमंड को जानकर माया का एक नगर बनाकर शील निधि राजा की पुत्री का स्वयंवर कराते हैं।

विशाल संगीतमय कलश शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

बीजपुर (सोनभद्र)। अजीरेश्वर धाम जरहा से लेकर कलश सिंदूर टिका के लिए हजारों की संख्या में महिला, पुरुषों का जनसैलाब कलश यात्रा में उमड़ पड़ा। गुरुवार की सुबह अजीरेश्वर धाम से कलश लेकर 1001 महिलाएं, किशोरियां, सिंदूर टिका वाहनों से पहुँचकर वहा से

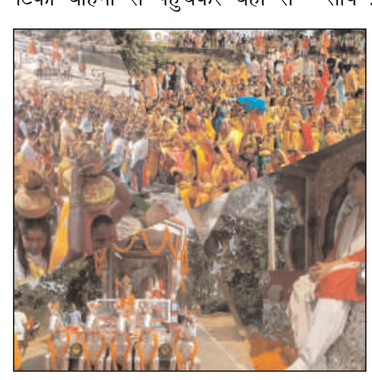

जलभरवा कर अजीरेश्वर धाम सेवकामोड से पैदल चल कर गाजेबाजे व ढोल नगाड़ो की धुन पर भक्त थिरकते, भक्ति गीत गुनगुनाते जरहा अजीरेश्वर धाम पहुच कर कलश स्थापित किया। महाप्रसाद ग्रहण कर अपने-अपने गंतव्य को लोग चल दिये। गुरुवार की शाम तीन बजे से सात बजे तक कथा वाचक पूज्या प्राची देवी जी के मुखार विन्दुओ से प्रवचन, मंगलाचरण, गुरु वंदना व संत वंदना के पश्चात श्रीराम कथा का शुभारंभ हुआ। यह कथा दो नवम्बर से दस नवंबर तक प्रतिदिन सायं 3 बजे से 7 बजे तक कथा प्रसंग विवरण प्रस्तुत किया जायेगा।11 नवंबर को पूणाहूती हवन सार्वजनिक महाप्रसाद भंडारा दोपहर 12:00 बजे से किया जायेगा । तीन नवम्बर को हनुमान महिमा वर्णन राम नाम महिमा प्रवचन किया जायेगा। इस मौके पर यजमान सपरिवार राजेंद्र सिंह बघेल , मान सिंह गोड़ ,बीपी गुप्ता , लल्लू सिंह , राजकुमार सिंह , त्रिभुवन सिंह , रामप्रकाश पाण्डेय , ओपी सिंह ,तेजबली सिंह , राहुल सिंह सहित क्षेत्र के संभ्रांत जन शामिल रहे। सुरक्षा व्यवस्था में सीओ दुद्धि प्रदीप सिंह चंदेल , प्रभारी निरीक्षक पंकज पांडेय सहित कई थानों की फोर्स व पीएसी मौजूद रही।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में आइआइटी बीएचयू की छात्रा के साथ हुई छेड़खानी की घटना अत्यंत ही शर्मनाक : अभाविप

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर स्थित आइआइटी परिसर में 1नवंबर की देर रात्रि आइआइटी बीएचयू की छात्रा के साथ छेड़खानी की घटना की कड़े शब्दों में भर्त्सना करती है यह घटना न सिर्फ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रशासन एवं आइआइटी बीएचयू प्रशासन की लचर सुरक्षा व्यवस्था को दशार्ती है बल्कि लगातार परिसर में इस प्रकार की घटनाओं पर प्रशासन की अकर्मण्यता की शर्मनाक स्थिति को भी उजागर करती है`

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से यह मांग करती है की सर्वप्रथम इस घटना के दोषियों की शिनाख्त कर उन पर कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाए इसी के साथ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रशासन एवं आइआइटी बीएचयू प्रशासन से यह मांग करती है की उक्त घटना में हुई प्रशासनिक लापरवाही बरतने वाले दोषियों को चिन्हित कर उन पर भी तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ` अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय मंत्री साक्षी ने कहा कि कल देर रात विश्वविद्यालय में हुई छात्रा बहन के साथ छेड़खानी किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं की जाएगी` अभाविप जल्द दोषियों को चिन्हित कर उनपर विधिक कार्रवाही हेतु मांग करती है विश्वविद्यालय में महिला सुरक्षा हेतु परिसर में कैमरे लगाने तथा सुरक्षा के पूर्णरूपेण सुद्दणीकरण हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है` अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य एवं बीएचयू इकाई के इकाई अध्यक्ष अभय ने कहा कि अभाविप का यह स्पष्ट मत है की इस प्रकार की गंभीर अपराधिक घटनाओं के लिए परिसर को लचर सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रशासन की लापरवाही जिम्मेदार है`अभाविप प्रशासन से यह मांग भी करती है की ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए संपूर्ण परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को सुधारा जाए एवं विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया जाए` अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रांत के प्रांत मंत्री अतेंद्र ने कहा कि अभाविप के कार्यकर्ता निरंतर इस मामले पर नजर बनाए हुए हैं तथा दोषियों को सजा दिलवाने हेतु पुलिस प्रशासन से मांग की है विश्वविद्यालय प्रशासन की महिला सुरक्षा को लेकर लचर व्यवस्था काफी चिंतनीय है तथा अभाविप इसे दुरुस्त कराने का कार्य भी परिसर में करेगी।

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी ने उद्योग बंधु तथा निवेशक बैठक में संबंधित विभागों को दिया निर्देश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला उद्योग बन्धु व व्यापार बन्धु तथा निवेशक की बैठक गुरुवार साय राइफल क्लब,गाजीपुर में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें निम्नलिखित बिन्दुओ पर चर्चा एवं निर्णय लिया गया। सचिव/उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, गाजीपुर द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के सापेक्ष विभिन्न क्षेत्रों में 318 इकाईयों का एम०ओ०यू० जारी है। उपायुक्त उद्योग द्वारा 318 इकाईयों की स्थिति की जानकारी प्राप्त किया गया, जिसमें 197 इकाईयों संचालन हेतु गम्भीर है तथा 88 इकाईयॉ जी०बी०सी० हेतु तैयार है। अध्यक्ष/जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित विभागों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने स्तर से इकाईयों की स्थिति दिन-प्रतिदिन प्राप्त करके आवश्यक अपेक्षित कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी द्वारा राजकीय औद्योगिक आस्थान नन्दगंज, गाजीपुर के गेट के सामने शराब की दुकान को उद्यमियों के अनुरोध पर अन्यत्र स्थानान्तरित करने का निर्देश दिया गया। निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि समय-सीमा के अन्तर्गत सभी प्रकरण को निस्तारित कराना सुनिश्चित करेंगे।

जिले की जनता मनोज सिन्हा को याद कर रही, प्रचण्ड बहुमत से भाजपा बनायेगी सरकार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेन्द्रनाथ पाण्डेय आज गाजीपुर के स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित एक सेमिनार में भाग लेने के लिये जनपद पहुंचे। जहां पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि प्रयागराज के ईश्वरशरण डिग्री कालेज के प्राचार्य आंनद शंकर सिंह 1942 के आंदोलन में गाजीपुर के योगदान पर काम कर रहे हैं और आज उसी को लेकर यहां सेमिनार है । वहीं इंडिया गठबंधन के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये गठबंधन बिखर रहा है ये स्वार्थों के गठबंधन है।इसका टूटना स्वाभाविक है । अच्छा है कि ऐसे लोगों को देखने का अवसर जनता को जल्दी मिल गया।केजरीवाल को ईडी के सम्मन पर बोले ये भारतीय राजनीति का दुर्भाग्यपूर्ण क्षण है । इतना जल्दी इनका नग्न रूप सामने आ जायेगा किसी ने कल्पना भी नहीं की थी । ये लोग आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं । अब तो सर्वोच्च न्यायालय की एक पीठ ने भी कहा है कि आरोपों में गंभीरता है । ये पार्टी स्वार्थ के लिये बनी थी । वहीं गाजीपुर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गाजीपुर की जनता मनोज सिन्हा को याद कर रही है और गाजीपुर में इस बार भाजपा प्रचंड जीत दर्ज करेगी। ईडी के एक अधिकारी की रिश्वत में गिरफ्तारी पर बोले मोदी जी ने लाल किले के प्राचीर से कहा था कि भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति होगी और वही राह चल रहे हैं ।

समाजवादियों ने सीएमओ को भेंट किया मॉस्किटो क्वायल और मच्छरदानी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य राहुल सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने लगातार बढ़ रहे डेंगू के प्रकोप के सवाल पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और अस्पताल में आ रहे मरीजों की गहन जांच और उचित इलाज करने की मांग किया। साथ ही जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केदो पर सीबीसी जांच की भी व्यवस्था कराये एमएमजाने की मांग किया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने सीएमओ को मच्छरदानी और मच्छर से बचने के लिए मॉर्टिन अगरबत्ती भेंट किया और कहा कि यदि मरीजों की जान नहीं बचा सकते तो स्वयं की जान बचायें। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य राहुल सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य सेवा बदहाल है। डेंगू, मियादी बुखार और? चिकनगुनिया के प्रकोप के चलते पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। अस्पतालों में बेड भरे पड़े हैं, मरीजों के लिए जगह नहीं है। न दवा की व्यवस्था है और न ही जांच की। अस्पतालों में लापरवाही के चलते आए दिन मौतें हो रहीं हैं। अभी तक पूरे प्रदेश में डेंगू से 1700 मौतें हो? चुकी हैं। सरकार जनता को बचाने में नाकामयाब साबित हुई है। सरकार पूरी तरह से लापरवाह बनी हुई है। भाजपा सरकार जन जीवन के प्रति गंभीर नहीं है। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से इरफान कुरैशी, रोहन यादव, सत्या कुमार, कमलेश यादव, संतोष यादव, भीष्म यादव, मनीष यादव, प्रवीण यादव, रविकांत यादव रवि,संजय यादव, बबलू आदि शामिल थे।

गर्भवती महिला की मौत के बाद पहुंची जांच टीम

जौनपुर। जिले के बदलापुर में झोलाछाप डॉक्टर तथा आशा कार्यकत्री की मिली भगत ने गर्भवती महिला की जान ले लिया। परिजनों ने यह आरोप लगाया । ,जांच में सामने आया है कि आगे कपड़े की दुकान है और पीछे डिलेवरी कराई जा रही थी इसमें एक गर्भवती महिला की मौत के बाद परिजनों की शिकायत के बाद आज सीएमओ के टीम और एसडीएम बदलापुर जांच के लिए मय फोर्स पहुंची ।खुटहन थाना क्षेत्र के राऊतपुर गांव निवासी डब्लू गुप्ता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी मुन्नी देवी जो गर्भवती थी प्रसव के दौरान उन्हें बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करवाया गया,जहा पर अस्पताल में कार्यरत नर्स के द्वारा बताया गया कि नॉर्मल डिलीवरी नहीं हो पाएगी क्योंकि महिला की बच्चेदानी बाहर आती दिखाई दे रही है।

डीआरडीओ बना रहा मीडियम रेंज नेवल एंटी-शिप मिसाइल

नौसेना को मिलने जा रहा एक और ब्रह्मास्त्र

भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) फिलहाल एक ऐसी मिसाइल बना रहा है, जिसकी तैनाती के बाद भारतीय नौसेना की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। साथ ही दुश्मन के युद्धपोत कोई भी कार्रवाई करने से पहले थोड़ा सोचेंगे। क्योंकि यह एक सब-सोनिक क्रूज मिसाइल है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एनएएसएम-एमआर का मतलब नेवल एंटी-शिप मिसाइल है। एमआर का मतलब है मीडियम रेंज। यानी मीडियम रेंज मिसाइल। माना जा रहा है कि इस मिसाइल का वजन 750 किलोग्राम होगा। यह करीब 15 से 17 फीट लंबा होगा। इसमें बूस्टर भी शामिल होंगे। व्यास करीब 1.8 फीट होगा। इस मिसाइल पर 150 किलोग्राम वजनी वॉरहेड लगाया जा सकता है।

गति और रेंज

यह रेडियो प्रॉक्सिमिटी फ्यूज पर विस्फोट करेगा। इसका रॉकेट ठोस प्रणोदक से चलेगा। साथ ही टर्बोफैन इसे गति प्रदान करेंगे। फिलहाल इसकी ऑपरेशन रेंज 150 से 350 किलोमीटर मानी जाती है। यह अधिकतम 50 मीटर से 4 किलोमीटर की ऊंचाई तक हमला करने में सक्षम होगा। इसकी अधिकतम गति करीब 988 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

ये है खासियत

लक्ष्य पर हमला करते समय यह बीच में ही अपनी दिशा बदल सकता है। इसे जड़त्वीय नेविगेशन प्रणाली के आधार पर निर्देशित किया जाएगा। साथ ही इसमें सैटेलाइट गाइडेंस की भी सुविधा होगी। इसे लॉन्च करने के लिए युद्धपोत, एचएएल तेजस फाइटर जेट और भविष्य के डेड-बीएफ फाइटर जेट को उपयुक्त माना जा रहा है।

एक हार्पून क्लास एंटी-शिप मिसाइल

यह वास्तव में एक हार्पून क्लास एंटी-शिप मिसाइल है। यह मिसाइल मध्यम दूरी पर दुश्मन को मात देने में काफी कारगर साबित होगी। इस मिसाइल के विकास और तैनाती के बाद भारत की तटीय सुरक्षा काफी बढ़ जाएगी। इतना ही नहीं भारतीय नौसेना के लिए रुद्रम मिसाइल भी बनाई गई है। जिसका इस्तेमाल हवाई हमले के तौर पर किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

भारतीय कंपनियों से रक्षा खरीद पर जोर : राजनाथ

बेंगलुरू। बेंगलूरू में 'इंडिया मैन्युफैक्चरिंग शो-2023' के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि

भारतीय कंपनियों से रक्षा खरीद पर जोर, 75 फीसदी बजट आरक्षित है। उन्होंने आगे कहा, 'अगर दिल्ली राजनीतिक राजधानी है, तो बंगलुरू देश की टेक्नोलॉजी की राजधानी है।' उन्होंने कहा कि अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण आक्रमणकारियों के लिए दक्षिण भारत काफी दूर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ के अनुसार, उत्तर भारत ने सीधे आक्रमणकारियों का सामना किया।

चेन्नई में 3.5 करोड़ की ई-सिगरेट जब्त

चेन्नई। तमिलनाडु में प्रतिबंधित सामानों की सप्लाई पर नकेल कसने में सीमा शुल्क विभाग को

बड़ी सफलता मिली है। खबरों के मुताबिक विशिष्ट खुफिया सूचना पर, चेन्नई सीमा शुल्क एसआईआईबी ने लगभग 3.5 करोड़ रुपये मूल्य के 11,700 ई-सिगरेट जब्त किए हैं। राज्य में ई-सिगरेट की यह दूसरी जब्ती है। चेन्नई सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, एक कंटेनर में घरेलू वस्तुओं के पैकेज के पीछे छुपाए गए ई-सिगरेट को तलाशी के दौरान बरामद और जब्त किया गया।

दिल्ली, पंजाब की आप सरकार पर बरसे सिद्धू

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने गुरुवार को पंजाब व दिल्ली की आप

सरकारों के खिलाफ हमला बोला और एक्साइज नीति पर सवाल खड़े किए। अपनी पटियाला स्थित रिहायश पर आयोजित पत्रकार वार्ता में सिद्धू ने कहा कि दिल्ली में हुई एक्साइज चोरी को ठीक ठहराने की कोशिश में केजरीवाल सरकार सीनाजोरी कर रही है। सिद्धू ने कहा कि अगर पालिसी सही थी, तो फिर वापस न लेते। लेकिन हैरानी की बात है कि यह पालिसी पंजाब में भी लागू कर दी गई।

केंद्रीय सूचना मंत्रालय ने मोबाइल कंपनी को भेजा नोटिस

राज्य प्रायोजित हमले के दावे का तत्काल सबूत पेश करे एप्पल

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गुरुवार को मोबाइल कंपनी एप्पल को एक नोटिस भेजा, जिसमें 'राज्य-प्रायोजित हमले' के दावे का सबूत पेश करने को कहा गया। मंत्रालय ने एप्पल से इस पर तत्काल प्रतिक्रिया मांगी है। जानकारी के मुताबिक आईटी मंत्रालय ने एप्पल अधिकारियों से जवाब मांगा है, साथ ही पूछा कि क्या ये हमला 'राज्य प्रायोजित' था।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मंत्रालय ने एप्पल से उसके इस निष्कर्ष का आधार भी पूछा कि फोन को दूर से एक्सेस किया जाएगा और संवेदनशील डेटा लीक हो जाएगा। दरअसल 31 अक्टूबर को तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, आप के राघव चड्ढा, कांग्रेस के शशि थरूर और उनकी पार्टी के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा आदि ने इसको लेकर आरोप लगाया था। उन सभी का आरोप था कि उनके आईफोन में छेड़छाड़ करने की कोशिश की गई, साथ ही इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इससे संबंधित स्क्रीनशॉट एक्स पर शेयर किया।

खास बातें

- फोन को दूर से एक्सेस करने और संवेदनशील डेटा लीक के अंदेशे का भी पूछा आधार
- 31 अक्टूबर को कई विपक्षी नेताओं ने लगाया था आरोप

भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

भाजपा ने विपक्ष की बात को सिरे से नकारते हुए जॉर्ज सोरोस के फंडिंग वाले एक्सेस नाउ और आईफोन नोटिफिकेशन के बीच लिंक होने का इशारा किया था। बीजेपी ने कहा था कि इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि कॉन्ग्रेस नेता राहुल गाँधी सब कुछ छोड़कर इस पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने को उतावले हो गए।

एप्पल ने यह भेजा था मैसेज

राघव चड्ढा ने भी एक स्क्रीनशॉट शेयर किया था, जिस एप्पल का मैसेज दिख रहा था। उसमें लिखा था कि अगर आपके डिवाइस के साथ किसी राज्य-प्रायोजित हमलावर ने छेड़छाड़ की है, तो वे आपके संवेदनशील डेटा, कम्युनिकेशन, या यहां तक कि कैमरा और माइक्रोफोन तक पहुंचने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही कंपनी ने उस मैसेज को गंभीरता से लेने को कहा। कॉन्ग्रेस नेता पवन खेड़ा तो एप्पल मैसेज का स्क्रीनशॉट शेयर कर ये तक कह गए, "मोदी सरकार, आप ऐसा क्यों कर रहे हो।" यही नहीं इन सांसदों और नेताओं ने अपने संबंधित एक्स हैंडल पर एप्पल की ओर से आए कथित नोटिफिकेशन के स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किए। विपक्ष ने बुधवार (1 नवंबर 2023) को एप्पल अलर्ट मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की। महुआ मोइत्रा ने इसको लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भी लिखा। उन्होंने इसकी जाँच के लिए आईटी की स्थायी संसदीय समिति की बैठक बुलाने की माँग की।

जल्द पता चलेगी सच्चाई : आईटी मंत्रालय

आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने बताया कि एप्पल ने ऐसे मैसेज अलर्ट्स को लेकर 150 देशों में एडवाइजरी जारी की है। अब इसी बात पर कायम रहते हुए उनके मंत्रालय ने एप्पल से जवाब तलब किया है। मामले में मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा था कि नेताओं द्वारा उठाई गई सभी साइबर सुरक्षा चिंताओं की जांच की जा रही है। जल्द ही सच्चाई पता चल जाएगा। गौरतलब है कि गुरुवार (1 नवंबर 2023) को आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा था कि विपक्षी दलों के सांसदों ने एप्पल की तरफ से भेजे गए अलर्ट मैसेज का जो मुद्दा उठाया था, उसके लिए भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया टीम यानी सीईआरटी-एन (सीआआरटी- एन) जाँच करेगा। ये देश की कंप्यूटर सुरक्षा से जुड़े मामलों पर जवाब देने के लिए राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है।

महुआ से पूछा- रात में किससे बात करती हो? भड़के विपक्षी सांसद

सवालों से नाराज होकर एथिक्स कमेटी का किया बायकॉट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा और बीएसपी सांसद दानिश अली समेत विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद की आचार समिति की बैठक से वॉकआउट कर दिया। दरअसल महुआ मोइत्रा को कैश-फॉर-क्वेरी के आरोपों के संबंध में पैनल के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। इसी पैनल के सवालों से भड़कीं महुआ ने बाहर गुस्से में निकलते हुए कहा कि वे मुझसे गंदे सवाल पूछ रहे थे। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा संसद की एथिक्स कमेटी की पूछताछ से बाहर निकलते ही काफी आगबबूला नजर आईं। बसपा सांसद दानिश अली ने बताया कि महुआ से एथिक्स कमिटी पूछ रही थी कि रात में किस से बात करती हो, इसलिए हमने वॉक आउट किया।

बिजनेसमैन को शेयर किया संसदीय लॉगिन आईडी और पासवर्ड'

पूछताछ के दौरान ही महुआ मोइत्रा ने संसद में पैसों के बदले सवाल पूछने के आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, उन्होंने यह माना कि उन्होंने बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी को अपना संसदीय लॉगिन साझा किया था। इन सबके बीच मामले से जुड़े सूत्रों ने दावा किया है कि महुआ के संसदीय अकाउंट को दुबई से लगभग 47 बार लॉग इन किया गया था।

एथिक्स कमेटी ने महुआ के रवैये पर उठाए सवाल

महुआ के आरोपों पर पलटवार करते हुए बीजेपी सांसद और एथिक्स कमेटी की सदस्य अपराजिता सारंगी ने कहा कि चेरयमेन साहब ने हीरानंदानी के एफिडेविट पर ही सवाल किए। उन्होंने बहुत दायरे में रहकर सवाल पूछे लेकिन महुआ मोइत्रा गुस्से में आ गईं। उनका रवैया बहुत एग्रेसिव, रूड, डिफेंसिव और एरोगेंट था। महुआ मोइत्रा ने असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया। सारंगी ने कहा कि संसदीय स्थायी समिति की कार्यवाही गोपनीय होती है। इसलिए उन्होंने (टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा) जो किया वह गलत था।

ईडी के समन को ठेंगा दिखाकर केजरीवाल ने की चुनावी सभा

शराब घोटाला : समन को गैर कानूनी और राजनीति से प्रेरित बताया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गुरुवार को दिल्ली के शराब नीति घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने ईडी को पत्र भेजकर समन वापस लेने को कहा है। उनका कहना है कि समन गैर कानूनी और राजनीति से प्रेरित है, इसे वापस लिया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि बीजेपी के इशारे पर समन भेजा गया। 30 अक्टूबर को ईडी ने उन्हें समन भेजकर पेश होने के कहा था। ईडी ने शराब नीति घोटाला

मामले में दाखिल आरोप पत्रों में बार-बार अरविंद केजरीवाल के नाम का जिक्र किया है। इसी साल अप्रैल में सीबीआई ने उनसे इस मामले में पूछताछ की थी।

केजरीवाल ने गुरुवार को सिंगरौली, मप्र में चुनावी सभा की। केजरीवाल के पेश नहीं होने के बाद अब ईडी दोबारा समन भेज सकती है।

केजरीवाल करेंगे कोर्ट का रुख!

अरविंद केजरीवाल समन को चुनौती देने के लिए कोर्ट का रुख कर सकते हैं और अग्रिम जमानत की मांग कर सकते हैं। शराब नीति घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। फरवरी में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद से वह लगातार जमानत की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली. सोमवार (30 अक्टूबर) को भी सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। वहीं, 5 अक्टूबर को आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की भी गिरफ्तारी हो चुकी है।

झारखंड

सोरेन सरकार को झटका एनसीपी का समर्थन वापस

एजेंसी ▶▶| रांची

झारखंड में यूपीए को बड़ा झटका लगा है। राज्य में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के एकमात्र विधायक कमलेश सिंह ने राज्य की हेमंत सोरेन नीत सरकार से

अपना समर्थन वापस लेने की घोषणा की। झारखंड एनसीपी प्रमुख और अजित पवार के खास कमलेश कुमार सिंह ने कहा, 'हमारे नेता जब विकास कार्यों के लिए जिले में आते हैं, तो उन्हें महत्व नहीं दी जाती है। वो लोग भी निराश हैं। वे भी उम्मीद करते हैं कि जब हम समर्थन दे रहे हैं, तो उनकी बात सुनी जाए।' सिंह ने कहा कि दुर्भाग्य से किसी भी नेता को गंभीरता से नहीं लिया गया। मांगों पर कोई पहल नहीं की गई। इसलिए पहले भी कहा था कि हम यूपीए से समर्थन वापस ले लेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'आज हम आपको दुख के साथ बताते हैं कि हम यूपीए से अपना समर्थन वापस ले रहे हैं। हम राज्यपाल को एक पत्र भी भेज रहे हैं कि एनसीपी हेमंत सोरेन सरकार से अपना समर्थन वापस ले रही है।'

बीएचयू में आईआईटी छात्रा के कपड़े उतारे, वीडियो बनाया, मचा बवाल

विरोध में सड़कों पर उतरा छात्रों का हुजूम

बनारस में सनसनीखेज वारदात

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

वाराणसी के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सनसनीखेज वारदात हुई है। देर रात बीएचयू परिसर में ही टहलने निकली आईआईटी की एक छात्रा के साथ बुलेट सवार तीन युवकों ने जबरदस्ती करने की कोशिश की। गन प्वाइंट पर छात्रा को लेते हुए उसके पूरे कपड़े उतार दिए और इसका वीडिया बनाया। वारदात के समय छात्रा का एक दोस्त भी उसके साथ टहल रहा था। छात्रा के दोस्त के साथ भी मारपीट की गई। घटना की जानकारी मिलते ही बीएचयू प्रशासन में खलबली मच गई। छात्रों में भारी आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में छात्रों ने क्लास का बहिष्कार कर सड़क पर उतर गए। धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। सतर्कता बरतते हुए बीएचयू प्रशासन ने हॉस्टलों का वाईफाई बंद कर दिया है।

बुलेट से आए थे आरोपी

आईआईटी बीएचयू में बीटेक द्वितीय वर्ष की छात्रा परिसर के ही छात्रावास में रहती है। बुधवार की देर रात छात्रा पढ़ाई के बाद थोड़ी देर के लिए परिसर में ही वॉक के लिए निकली थी। इसी दौरान रास्ते में उसे एक दोस्त भी मिल गया। दोनों टहलते हुए कर्मनबीर बाबा के मंदिर की तरफ चले गए। इसी बीच बुलेट बाइक से आए तीन लड़कों ने दोनों को रोक लिया। गन दिखाते हुए गोली चलाने की धमकी दी। छात्रा के साथ मौजूद उसके दोस्त को अलग कर मारा पीटा। फिर छात्रा के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। उसका मुंह दबाकर एक तरफ ले गए। उसे किस किया और उसके सारे कपड़े उतार दिए। अश्लीलता की और इसका वीडियो भी बनाया।

जरूरतमंदों के लिए सबसे ज्यादा दान शिव नादर ने किया

शिव नादर | अजीम प्रेमजी | मुकेश अंबानी | गौतम अडाणी

■ एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर ने परमार्थ कार्यों के 2,042 करोड़ रुपये दान किये

■ विप्रो के अजीम प्रेमजी ने 1774 करोड़, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी ने 376 करोड़ और गौतम अडाणी ने 285 करोड़ दिये

मुंबई (भाषा)। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर ने परमार्थ कार्यों के मामले में इस साल भी 'सबसे उदार भारतीय' के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। जरूरतमंदों के लिये उनका योगदान इस दौरान 76 प्रतिशत बढ़कर 2,042 करोड़ रुपये रहा।

एडेलगिव हुरुन इंडिया की बढ़-चढ़कर परमार्थ कार्य करने वालों की इस साल की सूची के अनुसार इस दौरान विप्रो के अजीम प्रेमजी का दान 267 प्रतिशत बढ़कर 1,774 करोड़ रुपये रहा और वे सूची में दूसरे स्थान पर रहे। सबसे अमीर भारतीय मुकेश अंबानी ने इस साल 376 करोड़ रुपये का दान जरूरतमंदों के लिये दिया। यह पिछले साल से आठ प्रतिशत कम है। वह सूची में तीसरे सबसे उदार व्यक्ति बने रहे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक की संपत्ति इस दौरान दो प्रतिशत बढकर 8.08 लाख करोड़ रुपये हो गई। दूसरे सबसे अमीर भारतीय गौतम अडाणी दो स्थान ऊपर चढ़कर सूची में पांचवें सर्वाधिक उदार भारतीय बन गये। उन्होंने जरूरतमंदों की मदद के लिये 285 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जो 50 प्रतिशत ज्यादा है। हुरुन की हाल की रिपोर्ट में अडाणी की संपत्ति 4.74 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है।

हुरुन की अक्टूबर में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार नादर की संपत्ति 2.28 लाख करोड़ रुपये आंकी गई थी और वह सॉफ्टवेयर उद्योग के प्रमुख चौथे सबसे अमीर भारतीय थे। वहीं विप्रो के प्रेमजी 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ 58वें स्थान पर थे।

आदित्य बिड़ला समूह के कुमार मंगलम बिड़ला ने 287 करोड़ रुपये के दान के साथ चौथे सबसे उदार भारतीय के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ व्यक्तियों और परिवारों ने दान देने वालों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाने के मामले में छलांग लगायी है। इसमें बजाज परिवार के साथ-साथ साइरस एस पूनावाला और अदार पूनावाला और रोहिणी नीलेकणी भी शामिल हैं। हुरुन इंडिया के मुख्य शोधकर्ता और प्रबंध निदेशक अनस रहमान जुनैद ने कहा कि जैसे-जैसे धन का विस्तार हो रहा है, पारिवारिक स्तर पर परमार्थ कार्य बढ रहे हैं। भोजन, कपड़े और छात्रवृत्ति जैसी आवश्यक चीजें प्रदान करने के कार्यों से लेकर ये लोग नये और विकास की रफ्तार में पीछे रह गये क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि सूची का प्राथमिक लक्ष्य दूसरे की मदद के लिये गये गये प्रयासों को स्वीकार करना है और यह सुनिश्चित करना है कि उनका प्रभाव समाज के हर वर्ग तक पहुंचे।

महिलाओं में रोहिणी नीलेकणि परमार्थ कार्यों में सबसे उदार महिला रहीं। इसके अलावा, थर्मैक्स की अनु आगा और लीना गांधी तिवारी सहित अन्य लोग भी दान देने वालों की सूची में शामिल हैं। शेयर बाजार में कारोबार की सुविधा देने वाली कंपनी जीरोधा के 37 वर्षीय सह-संस्थापक निखिल कामत सूची में सबसे कम उम्र के दानदाता हैं।

कामथ बंधुओं ने कुल 110 करोड़ रुपये जरूरतमंदों के लिये दिये। एलएंडटी के एएम नाइक 150 करोड़ रुपये के दान के साथ पेशेवरों में सबसे बड़े दानकर्ता रहे। उन्हें दानदाताओं की सूची में 11वां स्थान मिला। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे चार व्यक्ति हैं, जिन्होंने 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक का वार्षिक दान दिया। सूची में कुल 119 व्यक्ति और परिवार शामिल हैं।

एल्युमिनियम कबाड़ पर 10 फीसद आयात शुल्क लगे : एएआई

नई दिल्ली (भाषा)। एल्युमिनियम उत्पादकों के शीर्ष निकाय भारतीय एल्युमिनियम संघ (एएआई) ने एल्युमिनियम कबाड़ पर मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग की है।

एएआई का कहना है कि भारत एल्युमिनियम कबाड़ का दुनिया में सबसे बड़ा 'डंपिंग' स्थल बन गया है जिससे बीते वित्त वर्ष में 3.7 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा खर्च हुई है। एल्युमिनियम कबाड़ पर अभी आयात शुल्क 2.5 प्रतिशत है।

वित्त वर्ष 2022-23 में कुल एल्युमिनियम आयात में सालाना आधार पर 24 प्रतिशत वृद्धि हुई थी, जिसपर सात अरब डॉलर (56,291 करोड़ रुपये) की विदेशी मुद्रा खर्च हुई थी। आयात के मामले में भारत कम गुणवत्ता वाले विदेशी कबाड़ के लिए पसंदीदा स्थान बना हुआ है।

सरकार को भेजी अपनी रिपोर्ट में एएआई ने कहा, 'विदेशी कबाड़ गुणवत्ता मानकों के अंतर्गत नहीं है इसलिए इसमें महत्वपूर्ण सुरक्षा और पर्यावरणीय जोखिम है।

ग्रेटर नोएडा ने होटल्स के लिए प्लॉट आवंटन प्रक्रिया शुरू की

लखनऊ।

■ उत्तर प्रदेश सरकार उद्यमियों को 90 वर्षों की लीज पर आवंटित करेगी भूखंड

■ भूखंड के लिए 20 तक कर सकते हैं आवेदन

■ जेवर एयरपोर्ट के नजदीक होने से उद्यमी यहां पर कर सकेंगे कई कैटेगरी के होटल्स का विकास

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 28 में तीन केटेगरी के होटल प्लॉट्स की ई-ऑक्शन प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। जेवर एयरपोर्ट से नजदीकी के चलते प्राइम लोकेशन पर बेस्ड इन प्लॉट्स पर होटेलियर्स बजट व प्रीमियम होटल्स का विकास कर सकेंगे। यीडा ने इस नई स्कीम को बुधवार को लॉन्च किया है और इसमें प्लॉट पाने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर निर्धारित की गई है।

अधिकृत सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि इस स्कीम के जरिए आवंटन में प्राप्त प्लॉट 90 वर्षों की लीज पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिया जाएगा। ई-ऑक्शन के जरिए भूमि प्राप्त करने वाले होटल निर्माणकर्ताओं को प्रथम चरण के कार्यों को तीन वर्ष जबकि पूरी परियोजना को पांच वर्षों के भीतर पूरा करना होगा।

उल्लेखनीय है कि 3400, 5000 व 10000 स्क्वेयर मीटर क्षेफल वाले इन प्लॉट्स की रिजर्व प्रीमियम प्राइस 20.10 से 62.06 करोड़ रुपए के बीच रखी गई है जबकि 02 से 6.3 करोड़ रुपए के बीच इन प्लॉट्स की ईएमडी वैल्यू निर्धारित की गई है।

सूत्रों ने बताया कि इस स्कीम के जरिए जिन तीन प्रकार की प्लॉटिंग्स के लिए ई-ऑक्शन प्रक्रिया पूरी की जाएगी उसका ब्रोशर यीडा की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। स्कीम ब्रोशर डाउनलोड की प्राइसिंग 50000 प्लस 18 प्रतिशत जीएसटी रखी गई है। इस स्कीम के जरिए जिन आवेदनकर्ताओं को प्लॉट्स आवंटित किए जाएंगे उन्हें पोजेशन प्राप्त करने के लिए संबंधित प्लॉट केटेगरी की रिजर्व प्रीमियम प्राइस का 40 प्रतिशत देना होगा। बाकी के 60 प्रतिशत को 5 वर्षों में 10 इंस्टॉलमेंट्स के जरिए चुकाया जा सकता है।

वहीं, 3400 स्क्वेयर मीटर के प्लॉट के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति या संस्था की मिनिमम नेटवर्थ 15 करोड़ होनी चाहिए। साथ ही, पिछले तीन वर्षों व मौजूदा वर्ष के हिसाब से मिनिमम टोटल टर्नओवर 30 करोड़ रुपए होना चाहिए।

इसी प्रकार, 5000 स्क्वेयर मीटर के प्लॉट्स के लिए मिनिमम नेटवर्थ 20 करोड़ तथा मिनिमम टोटल टर्नओवर 50 करोड़ होना चाहिए। इसी प्रकार, 10,000 स्क्वेयर मीटर के प्लॉट के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति या संस्था की मिनिमम नेटवर्थ 50 करोड़ तथा मिनिमम टोटल टर्नओवर 100 करोड़ रुपए होना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, ई-ऑक्शन में भाग लेने के लिए आवेदनकर्ताओं को यीडा ऑक्शन टाइगर ऑनलाइन गेटवे पर रजिस्टर करना होगा जिसकी कीमत 1000 रुपए निर्धारित की गई है। वहीं, आवेदनकर्ताओं को होटल निर्माण के क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव होना चाहिए और उन्हें यह भी दिखाना होगा कि उनके द्वारा देश या विदेश में किस स्टार केटेगरीज के होटलों का निर्माण, विकास व संचालन किया गया है।

रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ 83.26 प्रति डॉलर पर

मुंबई (भाषा)। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को दो पैसे मजबूत होकर 83.26 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अपनी नीतिगत बैठक में थोड़ा नरम रुख जताने के बाद डॉलर अपने उच्चतम स्तर से नीचे आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख और जोखिम लेने की धारणा में सुधार से रुपये को मदद मिली।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें पूर्वस्तर पर बरकरार रखीं। फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद डॉलर सूचकांक में नरमी आई और 10 साल का बॉन्ड प्रतिफल घटकर 4.70 प्रतिशत पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.23 पर खुला और अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे मजबूत होकर 83.26 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपये ने 83.19 के उच्चस्तर एवं 83.27 के निचले स्तर को भी छुआ।

रुपया बुधवार को 83.28 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान रुपये ने 83.35 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर को छू लिया था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.18 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.43 प्रतिशत की बढत के साथ 85.84 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार में गिरावट थमी सेंसेक्स 490 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)।

■ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भी 144 अंक चढ़कर 19133.25 अंक पर बंद हुआ

■ फेडरल रिजर्व बैंक के निर्णय से भी घरेलू बाजार मजबूत हुआ

स्थानीय शेयर बाजारों में दो दिन से जारी गिरावट पर बृहस्पतिवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 490 अंक के लाभ में रहा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर यथावत रखने के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू शेयर बाजारों में रौनक रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 489.57 अंक यानी 0.77 प्रतिशत उछलकर 64,080.90 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 611.31 अंक तक उछल गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 144.10 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढत के साथ 19,133.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। नुकसान में रहने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसिज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "फेडरल रिजर्व (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) के उदार रुख के साथ नीतिगत दर को यथावत रखने के निर्णय से वैश्विक और घरेलू बाजार धारणा मजबूत हुई। इसके साथ, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट से संकेत मिलता है कि ब्याज दर में वृद्धि पर रोक लंबे समय के लिये है।"

नायर ने कहा कि इसके अलावा वाहन बिक्री बेहतर रहने, जीएसटी संग्रह में तेजी और कंपनियों के दूसरी तिमाही के बेहतर वित्तीय परिणाम जैसे प्रमुख आंकड़े भी अनुकूल बने हुए हैं। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, यूरोपीय बजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजारों में बुधवार को तेजी रही। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.67 प्रतिशत उछलकर 86.12 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,816.91 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

एफसीआई ने ई-नीलामी के जरिए 2.87 लाख टन गेहूं बेचा

नई दिल्ली (भाषा)।

■ ओएमएसएस के तहत गेहूं की बिक्री 31 मार्च, 2024 तक जारी रहेगी

■ स्टॉक की जमाखोरी को रोकने के लिए तीन अक्टूबर तक देशभर में लगभग 1,721 औचक जांच की गई

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने ई-नीलामी के 19वें दौर में बफर स्टॉक से थोक उपभोक्ताओं को 2.87 लाख टन गेहूं बेचा है।

सार्वजनिक क्षेत्र का भारतीय खाद्य निगम गेहूं और चावल जैसी प्रमुख वस्तुओं की खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 28 जून से साप्ताहिक ई-नीलामी के माध्यम से मुक्त बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत आटा मिल मालिकों और छोटे व्यापारियों जैसे थोक खरीदारों को केंद्रीय पूल से गेहूं और चावल बेच रहा है।

एक नवंबर को आयोजित 19वीं ई-नीलामी में बेचे गए गेहूं की मात्रा थोड़ी अधिक रही क्योंकि एफसीआई ने ओएमएसएस के तहत बोली की मात्रा बढाकर 200 रुपये टन कर दी। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा, "इसके चलते ई-नीलामी में 2,389 बोलीदाताओं को 2.87 लाख टन गेहूं बेचा गया है।' उचित और औसत गुणवत्ता वाले गेहूं के लिए भारित औसत बिक्री मूल्य 2,291.15 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि आरक्षित मूल्य 2,150 रुपये प्रति क्विंटल था। ओएमएसएस के तहत गेहूं की बिक्री 31 मार्च, 2024 तक जारी रहेगी और तबतक करीब 101.5 लाख टन गेहूं मंडियों में उतार दिया जाएगा। व्यापारियों को ओएमएसएस के तहत गेहूं की बिक्री के दायरे से बाहर रखा गया है और स्टॉक की जमाखोरी को रोकने के लिए तीन अक्टूबर तक देशभर में लगभग 1,721 औचक जांच की गई थी।

अडाणी ने क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली (भाषा)।

उद्योगपति गौतम अडाणी के समूह ने क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया प्रा. लि. में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी भी हासिल कर ली है। हालांकि, कंपनी ने लेनदेन के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया। अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड ने क्यूबीएमएल में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए एक शेयर खरीद समझौता पूर्ण किया है।

क्यूबीएमएल व्यापार व वित्त समाचार डिजिटल मीडिया मंच बीक्यू प्राइम का संचालन करती है। एएमजी मीडिया ने इससे पहले क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया लि. में 47.84 करोड़ रुपये में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। बीक्यू प्राइम को पहले ब्लूमबर्ग क्विंट के नाम से जाना जाता था, जो अमेरिका स्थित वित्तीय समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग मीडिया तथा राघव बहल के क्विंटिलियन मीडिया के बीच एक पूर्व संयुक्त उद्यम था। ब्लूमबर्ग पिछले साल मार्च में इस समझौते से बाहर हो गया था।

अडाणी पावर का शुद्ध लाभ नौ गुना बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)।

■ अडाणी पावर को 6594 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा

■ अडाणी पावर के अनुसार, आय बढ़ने का कारण बिजली की बिक्री में वृद्धि है

विभिन्न कारोबार से जुड़े अडाणी समूह की बिजली कंपनी अडाणी पावर का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में नौ गुना से अधिक होकर 6,594 करोड़ रुपये पहुंच गया। मुख्य रूप से एकबारगी आय और कर मोर्चे पर राहत से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा, 'अडाणी पावर का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 848 प्रतिशत उछलकर 6,594 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले 2022-23 की इसी तिमाही जुलाई-सितंबर में कंपनी का शुद्ध लाभ 696 करोड़ रुपये रहा था।"

बयान के अनुसार कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) में सुधार, एकबारगी प्राप्त आय और कर मोर्चे पर राहत (डेफर्ड टैक्स एसेट) से कंपनी का लाभ बढ़ा है।

कंपनी की एकीकृत आय चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 61 प्रतिशत बढ़कर 12,155 करोड़ रुपये रही।

एक साल पहले 2022-23 की इसी तिमाही में कंपनी की एकीकृत आय 7,534 करोड़ रुपये थी। अडाणी पावर के अनुसार, आय बढ़ने का कारण बिजली की बिक्री मात्रा में वृद्धि है।

कंपनी की स्थापित तापीय बिजली क्षमता 15,210 मेगावाट है। कंपनी के आठ बिजलीघर गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ, मध्य प्रदेश और झारखंड में हैं।

अडाणी एंटरप्राइजेज का मुनाफा घाटा

नई दिल्ली (भाषा)। अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही का शुद्ध लाभ आधा हो गया है। खनन कारोबार का घाटा और परिचालन खर्च बढ़ने से कंपनी का मुनाफा घटा है। कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 50.5 प्रतिशत घटकर 222.82 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल की समान तिमाही यह 460.94 करोड़ रुपये था।

समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का परिचालन खर्च आठ प्रतिशत बढ़ा है। जुलाई-सितंबर, 2022 में वाणिज्यिक खनन से कंपनी को 132.22 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। यह घाटा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर करीब 340 करोड़ रुपये हो गया है।

एईएल के नई ऊर्जा तथा हवाई अड्डा कारोबार के राजस्व और कर-पूर्व मुनाफे में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। नए ऊर्जा व्यवसाय जिसमें सौर मॉड्यूल विनिर्माण भी शामिल है, का राजस्व तीन गुना होकर 1,939 करोड़ रुपये हो गया और कर-पूर्व मुनाफा 11 गुना होकर 628 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने कहा कि अब उसके पास चार गीगावॉट की परिचालन सौर विनिर्माण क्षमता है, जबकि मॉड्यूल की बिक्री 205 प्रतिशत बढ़कर 630 मेगावाट हो गई है।

श्रीलंका के आर्थिक पुनरुद्धार के लिए भारत काम करता रहेगा : सीतारमण

कोलंबो (भाषा)। भारत ने बृहस्पतिवार को श्रीलंका को भरोसा दिलाया कि वह ऋण पुनर्गठन चर्चा पर उसके साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा और आर्थिक पुनरुद्धार के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय मूल के तमिलों (आईओटी) के आगमन की 200वीं वर्षगांठ मनाने के लिए श्रीलंका सरकार द्वारा आयोजित 'एनएएम 200' को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले साल जब श्रीलंका को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा, तो भारत ने उसे चार अरब डॉलर से अधिक की बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की।

उन्होंने कहा, "पिछले साल जब श्रीलंका को अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा, तो हमें लगा कि श्रीलंका में अपने दोस्तों के साथ खड़ा होना हमारा कर्तव्य है। हमारे श्रीलंकाई मित्रों को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, हम उसे सहन नहीं कर सके। हमारी सरकार और भारत के लोगों ने सामूहिक रूप से कार्य किया और रिकॉर्ड समय में आपकी सहायता के लिए आगे आए।"

सीतारमण ने यह भी कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को वित्तीय भरोसा देने वाला पहला द्विपक्षीय ऋणदाता था जिसने दूसरों के लिए भी इसी तरह का आश्वासन देने का मार्ग प्रशस्त किया, जिससे श्रीलंका के लिए आईएमएफ कार्यक्रम को औपचारिक रूप दिया गया।

उन्होंने कहा, "एक सच्चे मित्र के रूप में भारत ऋण पुनर्गठन चर्चाओं के साथ-साथ आर्थिक पुनरुद्धार के रास्ते पर श्रीलंका सरकार के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा।' सीतारमण ने कहा, "हमारे नेताओं ने इस साल जुलाई में आर्थिक साझेदारी के लिए एक दृष्टि दस्तावेज जारी किया है, जिसमें हमारे लोगों के लिए सतत आर्थिक वृद्धि और समृद्धि के लिए सहयोग के विशिष्ट क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की गई है।'

कोटक जनरल इंश्योरेंस में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी ज्यूरिख इंश्योरेंस कंपनी

मुंबई (भाषा)। ज्यूरिख इंश्योरेंस कंपनी 4,051 करोड़ रुपये में कोटक जनरल इंश्योरेंस में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी में है। गैर-जीवन (नॉन-लाइफ) बीमा बाजार में कोटक जनरल इंश्योरेंस की बाजार हिस्सेदारी सितंबर तक 0.52 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2013 के लिए इसका सकल लिखित प्रीमियम 1,148.30 करोड़ रुपये था और शेयर बिक्री के 'मूल्य पोस्ट-मनी' मूल्यांकन पर सामान्य बीमा कंपनी का मूल्य 7,943 करोड़ रुपये है।

एशिया प्रशांत के लिए ज्यूरिख के मुख्य कार्यकारी तुलसी नायडू ने कहा, " भारत अपार संभावनाओं वाले दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है और हम एक उत्कृष्ट भागीदार के साथ महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता से खुश हैं।"कोटक जनरल इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी दीपक गुप्ता ने कहा, " संबंधित कंपनियों की संयुक्त विशेषज्ञता तथा संसाधन हमें अपने ग्राहकों की बढती जरूरतों को पूरा करने के लिए अभिनव समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएंगे।' कंपनी के अनुसार, कोटक महिंद्रा बैंक और कोटक महिंद्रा जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने ज्यूरिख इंश्योरेंस कंपनी के साथ हिस्सेदारी बिक्री के लिए एक समझौता किया है।

गेल ने बीपीसीएल से कच्चा माल हासिल करने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने महाराष्ट्र में अपने आगामी पेट्रोकेमिकल संयंत्र के लिए भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) से 15 साल तक कच्चा माल हासिल करने के लिए 63,000 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। गेल की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, " 63,000 करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित मूल्य वाले 15 साल के आपूर्ति अनुबंध के तहत गेल उरण में बीपीसीएल की एलपीजी आयात सुविधा से प्रति वर्ष 600,000 टन प्रोपेन खरीदेगी। वर्तमान में यह प्रति वर्ष 10 लाख टन एलपीजी आयात में सक्षम है और प्रति वर्ष 30 लाख टन प्रोपेन तथा ब्यूटेन आयात को समायोजित करने के लिए विस्तार किया जा रहा।"

बीपीसीएल की ओर से अलग से जारी एक बयान के अनुसार, " बीपीसीएल और गेल के बीच यह अभूतपूर्व सहयोग भारत की पेट्रोकेमिकल प्रगति को आगे बढाने के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। यह न केवल दोनों संगठनों के लिए एक बड़ी उपलब्धी है, बल्कि देश के संपन्न पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है।"

संक्षिप्त खबरें

टाटा मोटर्स को 3,783 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 3,783 करोड़ रुपये रहा है। मुंबई की इस वाहन कंपनी को पिछले साल समान तिमाही 1,004 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 1,05,128 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले समान तिमाही में 79,611 करोड़ रुपये थी। बीएसई पर कंपनी के शेयर 1.51 प्रतिशत बढकर 636.80 रुपये पर बंद हुए।

मोटोरोला की दिवाली पर पेशकश

नई दिल्ली। भारत में 5जी स्मार्टफोन निर्माता मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट बिग दिवाली सेल से पहले अपने स्मार्टफोन को भारी छूट पर खरीदने का मौका देने की घोषणा की है। 1 नवंबर से फ्लिपकार्ट प्लस मेंबर्स के पास अब मोटोरोला ऐज, मोटो जी, और मोटो ई सीरीज के ज्यादातर स्मार्टफोन को आकर्षक बिग दिवाली सेल कीमतों पर खरीदने के लिए अर्ली एक्सेस की सुविधा उपलब्ध है। आई पी 68 रेटिंग वाला मोटोरोला ऐज 40 दुनिया का सबसे स्लिम 5जी फोन है, जो 26,999 रुपये की कीमत पर उपलब्ध है। इसी तरह इस ब्रांड के अन्य मोबाइल हैंडसेट की खरीद पर ग्राहकों भी आकर्षक छूट दी जा रही है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का दूसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत बढकर 66.80 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 54.96 करोड़ रुपये था। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर अवधि में उसकी कुल आय बढकर 605.11 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 369.20 करोड़ रुपये थी। गोदरेज समूह की रियल एस्टेट शाखा गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है।

डाबर को 507 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख घरेलू कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ पांच प्रतिशत बढकर 507.04 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 490.86 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। डाबर लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 3,203.84 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,986.49 करोड़ रुपये थी। कंपनी का खर्च सितंबर तिमाही में 2,669.43 करोड़ रुपये रहा।

ग्रोकॉम्स ने जुटाए 35 लाख अमेरिकी डॉलर

बेंगलुरु। मसालों की प्रोद्योगिकी से जुड़ी कंपनी ग्रोकॉम्स ने जेएसडब्ल्यू वेंचर्स, अराली वेंचर्स और मौजूदा निवेशक इंफोएज वेंचर्स से 35 लाख अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। कोच्चि स्थित कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से निर्यात तथा मूल्य वर्धित मसालों का पता लगाने को सक्षम करने में महत्वपूर्ण क्षमताओं के निर्माण के लिए उत्पाद खंड और प्रौद्योगिकी को मजबूत करने में किया जाएगा। भारत दुनिया में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है। बयान में कहा गया कि भारत वैश्विक मसाला उत्पादन में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इस उद्योग के 10 प्रतिशत सीएजीआर से बढने का अनुमान है। 2027 तक इसके बढ़कर 27 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है।

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने प्रमुख ब्याज दर को 5.25 प्रतिशत पर कायम रखा

लंदन। ब्रिटेन में मुद्रास्फीति के आगामी महीनों में और गिरने की उम्मीद के बीच बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अपनी प्रमुख ब्याज दर को 15 साल के उच्चस्तर 5.25 प्रतिशत पर कायम रखा है। बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में बैंक की नौ-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने संकेत दिया कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी गई मुद्रास्फीति आने वाले वर्ष में घटेगी।

सनी बोले- ईशा और अहाना मेरी बहनें हैं...

मुंबई। कॉफी विद करण 8 में सनी देओल और बॉबी देओल आए। शो का नया एपिसोड रिलीज हो चुका है। जिसमें सनी और बॉबी अपनी फैमिली के बारे में बात करते हुए नजर आए। सनी देओल की हाल ही में फिल्म गदर 2 रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है। गदर 2 के साथ देओल फैमिली में खुशियां भी आ गई हैं। सनी देओल ने अपनी बहनों ईशा और अहाना के साथ रिश्ते पर बात की। ईशा और अहाना देओल के साथ इक्वेशन पर सनी ने कहा- वो मेरी बहनें हैं। ये ही है जो है, ये कोई भी नहीं बदल सकता है। इन सबके बीच सबसे खूबसूरत चीज ये हुई कि फिल्म सक्सेसफुल हो गई।

लाइफ Style

जाह्नवी

उलझ में आईएफएस ऑफिसर के रोल में दिखेंगी

एजेंसी ▸▸ मुंबई

जाह्नवी कपूर एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। दरअसल, जाह्नवी कपूर ने हाल ही में एक नई देशभक्ति फिल्म को साइन किया है। इस मूवी में एक्ट्रेस देशभक्त के रोल में नजर आने वाली है। इस फिल्म को साइन करने के बाद जाह्नवी कपूर काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रही हैं।

जाह्नवी कपूर ने जंगली पिक्चर्स के बैनर तले बनने जा रही 'उलझ' को साइन कर लिया है। जाह्नवी कपूर की इस मूवी को जाने माने फिल्म डायरेक्टर सुधांशु सरिया डायरेक्ट करेंगे। सुधांशु सरिया नेशनल अवॉर्ड विनर भी रह चुके हैं। इसके साथ इस मूवी की स्क्रिप्ट सरिया और परवेज शेख ने और डायलॉग्स अतिका चौहान ने लिखे हैं। जाह्नवी कपूर की 'उलझ' में उनके अलावा गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी जैसे सितारे अपनी एक्टिंग का कमाल दिखाते हुए नजर आने वाले हैं। इस मूवी की शूटिंग शुरु हो चुकी है। जाह्नवी कपूर इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने के बाद काफी एक्साइटेड दिख रही हैं। फिल्म का एलान होने के बाद एक्ट्रेस ने कहा फिल्म की स्क्रिप्ट ने काफी अट्रैक्ट किया। इसकी एक वजह ये भी है कि मैं एक ऐसी फिल्म की तलाश में थी कि जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर आने में हेल्प करे। इस देशभक्ति मूवी में जाह्नवी कपूर एक देशभक्त आईएफएस ऑफिसर के रोल में नजर आने वाली है। एक्ट्रेस के फैंस ने 'उलझ' का बेसब्री से इंतजार करना शुरू कर दिया है।

हॉलीवुड मसाला

अभिनेता टायलर नहीं रहे...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आ रही है। टीवी और फिल्मों के जाने-माने अभिनेता टायलर क्रिस्टोफर का कार्डियक अरेस्ट की वजह से निधन हो गया है। टायलर क्रिस्टोफर ने 50 साल की उम्र में अपने सैन डिएगो स्थित अपार्टमेंट में आखिरी सांस ली। अभिनेता अपने शो 'जनरल हॉस्पिटल' और 'डेज ऑफ अवर लाइव्स' के लिए दर्शकों के बीच मशहूर थे। अभिनेता के निधन की पुष्टि 'जनरल हॉस्पिटल' के उनके को-स्टार मौरिस बेनार्ड ने की। टायलर क्रिस्टोफर के निधन की दुखद जानकारी देते हुए उनके को-स्टार मौरिस बेनार्ड ने इंस्टाग्राम पर एक मैसेज साझा किया।

पति निक के बिना मनाया करवा चौथ

मुंबई। ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा भी हर साल पति निक के लिए करवाचौथ का व्रत रखती हैं। हालांकि इस बार एक्ट्रेस ने पति से दूर रहकर करवाचौथ सेलिब्रेट किया। हाल ही में एक इवेंट में शामिल होने के लिए प्रियंका चोपड़ा भारत आई हैं। ऐसे में एक्ट्रेस ने इस साल अपने पति निक जोनस के बिना ही करवा चौथ मनाया। प्रियंका ने अपने फैंस को अपने करवाचौथ सेलिब्रेशन की एक झलक भी इंस्टा पर दिखाई है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टा स्टोरी पर जो तस्वीर शेयर की है । उसमें विंडो के पास एक डेकोरेटेड छलनी रखी हुई है, जिसमें मिट्टी का दीपक जल रहा है जो चंद्रमा की एक झलक पाने के इंतजार में है। कैप्शन में लिखा,सभी को करवा चौथ की शुभकामनाएं। उन्होंने इस पोस्ट में अपने पति निक को भी टैग किया है।

सुष्मिता की आर्या सीजन-3 आज से रिलीज...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन की वेबसीरीज आर्या सीजन-3 , आज 03 नवंबर से डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी। 'आर्या सीजन-3' राम माधवानी द्वारा रचित और सह-निर्देशित एवं अमिता माधवानी, राम माधवानी, राम माधवानी फिल्म्स और एंडेमोल शाइन इंडिया द्वारा सह-निर्मित है। आर्या सीजन 3' के बारे में सुष्मिता सेन ने बताया कि शूटिंग के माहौल और सेट-अप ने कैसे उनकी मदद की। 'आर्या 3' में आर्या सरीन का किरदार निभाने वालीं सुष्मिता सेन ने कहा, मुझे काम पर लौटने की जल्दी थी और मेरा मानना है कि किसी स्थिति के बारे में आप बैठकर जितना सोचते हैं, उतने ही उसमें फंसते जाते हैं। जिन्दगी की किसी भी चुनौती को पीछे छोड़ देने का एक ही तरीका है आगे बढ़ते रहना और मुझे सिर्फ अपने डॉक्टर से हरी झंडी चाहिये थी।

हाथ से ही कर दिए किंग कोबरा के दो टुकड़े

मुंबई। चियान विक्रम की फिल्म 'थंगालान' का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म के टीजर में विक्रम का 'खूंखार' अवतार देखने को मिला है जो अपने हाथों से ही जहरीले किंग कोबरा के दो टुकड़े करते दिख रहे हैं। तलवार के साथ एक्टर का एक्शन मोड भी नजर आ रहा है। बता दें कि फिल्म थंगालान अगले साल 26 जनवरी 2024 को थिएटर्स में रिलीज की जाएगी। 'थंगालन' की स्टोरी के बारे में बात करें तो यह भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान कोलार गोल्ड फील्ड्स की एक सच्ची कहानी पर बेस्ड फिल्म है। फिल्म में विक्रम के साथ पार्वती और मालविका मोहनन भी लीड एक्ट्रेस के रोल में दिखाई देंगी। इसके अलावा पशुपति, डैनियल कैल्टागिरोन और हरिकृष्णन अंबुदुरई भी 'थंगालन' का हिस्सा हैं।

टीवी मसाला

ये रिश्ता में नजर आएंगे अनुपमा एक्टर ऋषभ, अभिरा के देवर का निभाएंगे रोल

नई दिल्ली। हर्षद चोपड़ा और प्रणाली राठौड़ का शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में अब कई नए ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। हर्षद और प्रणाली शो छोड़ देंगे। वहीं नए एक्टर्स समृद्धि शुक्ला (अभिरा) और शहाजादा धामी (अरमान) उनकी जगह लेंगे। शो में 6 नवंबर से लीप के बाद की कहानी दिखाई जाएगी। शो में प्रीति अमीन, श्रुति उल्फत, संदीप राजोरा, शिवम खजुरिया, प्रीति पुरी चौधरी, संदीप बसवाना, सलोनी संधू, सिकंदर खरबंदा, गौरव शर्मा जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। एक्टर ऋषभ जयसवाल भी शो में दिखेंगे। ऋषभ को शो अनुपमा में देखा गया था। वो इस शो में डिंपी के पति निम्रत के रोल में थे। अब ये रिश्ता क्या कहलाता है में वो अहम रोल निभाते दिखेंगे। उनके कैरेक्टर का नाम होगा कृष। वो शो में अरमान के छोटे भाई के रोल में होंगे।

ऐसा होगा ऋषभ का रोल : ऋषभ ने अपने कैरेक्टर की डिटेल्स शेयर करते हुए फिल्मीबीट से बताया कि नई फैमिली वकीलों की होगी। कृष वकील बनना चाहता है लेकिन फैमिली बिजनेस को ज्वॉइन नहीं करना चाहता। कृष कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहता है। वो बागी, फन लविंग है। ऋषभ ने कहा कि कृष की फन वाइब उनकी पर्सनैलिटी से मैच करती हैं।

अभिरा भी बनना चाहती है वकील : बता दें कि शो का लीड किरदार अभिरा भी वकील बनना चाहती हैं। वहीं रूही अरमान के प्यार में है और उससे शादी करना चाहती है। हालांकि, किस्मत को कुछ और ही मंजूर है और अभिरा की शादी अरमान ले हो जाती है। वहीं रूही की शादी अरमान के भाई के साथ होती है। अरमान से शादी के बाद अभिरा की एंट्री पोद्दार फैमिली में होती है। हालांकि, अभिरा की जिंदगी में मुसीबतें यहीं से शुरू होती हैं क्योंकि अरमान की फैमिली में महिलाएं काम नहीं करती हैं।

'सुंदर नहीं हो, मेकअप करके आओ', कर दिया था रिजेक्ट

मुंबई। गुम हैं किसी के प्यार में टीवी का मोस्ट पॉपुलर शो है। शो में इन दिनों सेकंड जेनरेशन की कहानी दिखाई जा रही है। फर्स्ट जेनरेशन में एक्ट्रेस आयशा सिंह, ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट लीड रोल में थे। शो में नील भट्ट और आयशा सिंह की जोड़ी को फैंस ने काफी पसंद किया। शो से आयशा सिंह घर-घर में पहचानी गईं। हालांकि, आयशा के लिए ये जर्नी इतनी आसान नहीं रही। उन्होंने भी काफी रिजेक्शन देखा। एक बार तो एक मेकर ने उन्हें कह दिया था कि आप सुंदर नहीं हो। मेकअप करके आओ। सिद्धार्थ कनन से अपने रिजेक्शन के बारे में बात करते हुए आयशा ने कहा, 'मेरा फर्स्ट रिजेक्शन जो था। मैं एक काफी बड़े प्रोडेक्शन हाउस में मैं गई थी। उन्होंने मुझे देखकर बोला था, 'आप सुंदर नहीं हो और खूब मेकअप करो बेटा फिर हम बात करेंगे। ये फर्स्ट था मेरा और मैं बहुत हताश हो गई थी। मैं अपनी कजिन के जरिए गई थी। मैंने उस कजिन को बहुत डांटा फिर मैंने थोड़ा बहुत मेकअप करना सीखा लेकिन मेरी ये अप्रोच कभी नहीं रही।

एक बार फिर हंसी से लोट-पोट कर देगा पारेख परिवार...

'खिचड़ी 2' के मजेदार ट्रेलर हुआ रिलीज

मुंबई। नवंबर का महीना सिनेमा लवर्स के लिए बेहद एंटरटेनिंग होने वाला है। इस महीने एक से बढ़कर एक फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। वहीं इस लिस्ट में ऐडवेंचर-कॉमेडी फिल्म 'खिचड़ी 2' का नाम भी शामिल है। फिल्म 17 नवंबर को सिनेमाघरों रिलीज होने के लिए तैयार है। वहीं कुछ समय पहले इसका टीजर सामने आया है, जिसके बाद से ही फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि खिचड़ी 2 का क्लैश सलमान खान की एक्शन फिल्म 'टाइगर 3' से हो रहा है। टाइगर 2 12 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'खिचड़ी 2' में हंसा-प्रफुल की जोड़ी का धमाल : वहीं अब फिल्म का ट्रेलर सामने आया है, जिसे देखकर आप एक बार फिर हंसी से लोटपोट होने वाले हैं। फिल्म का ट्रेलर बेहद मजेदार नजर आ रहा है, जिसकी कहानी एक बार फिर गुजराती परिवार पारेख परिवार के इर्द-गिर्द घूमती हुई नजर आ रही है। वहीं ट्रेलर में हंसा और प्रफुल की जोड़ी दोबारा से धमाल मचा रही है। 2:34 मिनट के इस ट्रेलर की बात करें तो इस बार पारेख परिवार एक नए मिशन पर निकला है।

फराह खान भी आएंगी नजर : वहीं इस मल्टीस्टारर फिल्म में सुप्रिया पाठक के अलावा, जमनादास मजेठिया, राजीव मेहता, वंदना पाठक, अनंग देसाई, कीर्ति कुल्हारी, परेश गंत्रा, अनंत विधात, फराह खान और प्रतीक गांधी जैसे बेहतरीन कलाकार नजर आने वाले हैं।

80 साल पहले रिलीज हुई दादा मुनि की वो फिल्म जिसने पहली बार की थी 1 करोड़ की कमाई

मुंबई। कुछ सालों पहले बॉलीवुड में 100 करोड़, 200 करोड़ क्लब का ट्रेंड शुरू हुआ है। वैसे 100 करोड़ कमाने वाली पहली हिंदी फिल्म देने का क्रेडिट आमिर खान को जाता है। साल 2008 में उनकी 'गजनी' पहली फिल्म बनी, जिसने भारत में 100 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था, लेकिन शाहरुख खान की 'पठान' और फिर 'जवान' जैसी फिल्मों ने इस क्लब के दायरे को और बढ़ा दिया है। लेकिन क्या आपको पता है कि पहली हिंदी फिल्म कौन सी है, जिसने 1 करोड़ का बिजनेस किया था। वो भी आज के जमाने में नहीं बल्कि आज से 80 साल पहले।

1943 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म किस्मत का 186 हफ्ते तक बॉक्स ऑफिस पर रहा कब्जा

अशोक कुमार की फिल्म किस्मत ने बनाया ये धांसू रिकॉर्ड : इंडियन सिनेमा के मशहूर एक्टर दादा मुनि उर्फ अशोक कुमार को कौन नहीं जानता है। उन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर ऐसे-ऐसे किरदार निभाए हैं, जिन्हें भुला पाना संभव नहीं है। उन्होंने बॉलीवुड में 6 दशक तक काम किया और इस दौरान उन्होंने लगभग 300 फिल्में कीं। अशोक कुमार पहले ऐसे एक्टर हैं, जिनकी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। उस मूवी का नाम है 'किस्मत'।

186 हफ्ते तक फिल्म ने की थी कमाई

अशोक कुमार की फिल्म 'किस्मत' साल 1943 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर नोटों की बारिश हो गई थी। हालांकि, इस मूवी में अशोक कुमार ने निगेटिव किरदार निभाया था। उस दौर में ऐसा रोल करना एक बड़ा रिस्क था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार किया और सिल्वर स्क्रीन पर अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीत लिया था। अशोक कुमार की 'किस्मत' ने 186 सप्ताह तक बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई की थी।

पर्दे पर पहली बार बने पुलिस ऑफिसर

साल 1956 में अशोक कुमार ने 'इंस्पेक्टर' नाम की फिल्म की थी, जिसमें उन्होंने अपने रोल के लिए पुलिस की यूनिफॉर्म पहनी थी। हिंदी सिनेमा के इतिहास में ये पहली बार हुआ था जब नायक ने पुलिस का रोल निभाया था। इसके बाद बॉलीवुड में ये ट्रेंड खूब चला। आज तक फिल्मों के हीरो पुलिस के रोल में नजर आ रहे हैं। अशोक कुमार ने अपने पूरे करियर में इंडियन सिनेमा के फलने-फूलने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। 10 दिसंबर, 2001 को उनका निधन हो गया था। उस वक्त वह 90 साल के थे।

एक से बढ़कर एक रहा लुक, बला की खूबसूरत लगीं बॉलीवुड एक्ट्रेसेस!

करवाचौथ पर सोलह श्रृंगार में सजीं बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने चांद संग किया प्रियतम का दीदार

मुंबई। देशभर में भारतीय सुहागनों ने 1 नवंबर करवाचौथ मनाया। अपनीपति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखकर उन्होंने पूजा की। इसी कड़ी में बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेस ने भी अपनी पति के लिए करवाचौथ का व्रत रखा और करवाचौथ के मौके पर वे साड़ी, जूलरी, मांग में सिंदूर, हाथों में मेहंदी और माथे पर बिंदी लगाकर सोलह श्रृंगार किए दिखाई दीं।

परिणिति का पहला करवा चौथ : शादी के बाद परिणीति चोपड़ा का यह पहला करवाचौथ था। सुर्ख लाल सूट, हाथों में चूड़ा, मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र पहने वे बेहद खूबसूरत लग रही थीं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर पति राघव चड्डा संग करवाचौथ की पूजा करते हुए फोटोज पोस्ट की हैं। इन फोटोज में परिणीति अपनी करवाचौथ की स्पेशल मेहंदी फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। साथ की एक्ट्रेस ने चांद की इमोजी बनाई है।

कैटरीना ने पति संग की पूजा : एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने भी करवाचौथ पर विक्की कौशल के लिए व्रत रखा था। रेड साड़ी, मांग में सिंदूर, माथे पर लाल बिंदी और गले में मंगलसूत्र पहने उनका ट्रैडिशनल लुक सामने आया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति विक्की और सासा-ससुर संग फोटोज शेयर की है।

बिग बॉस के घर भी कपल्स ने मनाया करवाचौथ: बिग बॉस 17 के घर में भी करवा चौथ का पर्व मनाया गया। ऐश्वर्या शर्मा ने पति नील भट्ट के लिए व्रत रखा था तो वहीं अंकिता लोखंडे ने भी विक्की जैन की लंबी उम्र के लिए उपवास किया था। दोनों ने दुल्हनों की तरह सोलह श्रृंगार किया और करवाचौथ की पूजा की।

वरुण धवन ने करवाचौथ पर किया खास पोस्ट

एक्टर वरुण धवन ने पत्नी नताशा के साथ करवाचौथ के पूजा की बाद की तस्वीरें शेयर की हैं। अपने इंस्टाग्राम पर खास फोटोज शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- सभी लोगों को करवाचौथ की शुभकामनाएं। सभी के लिए सुरक्षा और शांति की कामना करता हूं। भारतीय नारी सब भारी हालांकि नताशा वाकई में हल्की है इसलिए उसे अपनी गोद में बैठाना अच्छा लगता है।

मोनालिसा ने वीडियो कॉल से मनाया करवाचौथ : भोजपुरी की खूबसूरत एक्ट्रेस मोनालिसा ने भी अपने पति के लिए करवाचौथ का व्रत रखा था। हालांकि उनके पति विक्रांत सिंह उनके साथ मौजूद नहीं थे। ऐसे में एक्ट्रेस ने वीडियो कॉल पर अपना व्रत तोड़ा। उन्होंने अपनी करवाचौथ पूजा की झलकियां भी शेयर की हैं।

पति के साथ शिल्पा ने दिए पोज : करवाचौथ के मौके पर शिल्पा शेट्टी अपने पति राज कुंद्रा के साथ दिखाई दीं। राज कुंद्रा इस दौरान व्हाइट कलर के आउटफिट में नजर आए। शिल्पा शेट्टी ने त्योहार के इस मौके पर गुलाबी रंग की साड़ी पहनी। इसके साथ उन्होंने हैवी जूलरी पेयर कीं। मांग में सिंदूर, माथे पर लाल बिंदी और हाथों में भरी-भरी चूड़ियां पहने एक्ट्रेस काफी खूबसूरत दिखीं।

मीरा दिखीं सिंपल, सबसे अलग लगीं नताशा दलाल: शाहिद कपूर की वाइफ मीरा राजपूत भी लाल साड़ी पहने किसी से कम नहीं लगीं। करवाचौथ के लिए मीरा राजपूत ने गोल्डन इंबॉयड्री वाली रेड कलर की साड़ी पहनी। वरुण धवन की पत्नी नताशा दलाल का लुक बिल्कुल अलग दिखा। नताशा लाइट पिंक कलर के फ्लोरल प्रिंटेड लहंगे में नजर आईं। लाइट मेकअप के साथ वे काफी हसीन लग रही थीं।

ये हैं भारत के सबसे बड़े चिड़ियाघर

चिड़ियाघर वैसे तो पशु-पक्षियों के रहने की जगह होती है, लेकिन यहां भी बड़ी संख्या में लोग सैर-सपाटे के लिए आते हैं। खास तौर से पशु-पक्षी प्रेमियों के लिए चिड़ियाघर मनोरंजन से कम नहीं है। चिड़ियाघर में हर तरह के पशु-पक्षी देखने को मिलते हैं। चिड़ियाघर में हम ऐसे दुर्लभ जीवों को भी देख सकते हैं जिन्हें आमतौर पर देख पाना संभव नहीं हो पाता है। तो चलिए जानते हैं कि भारत के सबसे खास चिड़ियाघर कौन से हैं-

चेन्नई

चेन्नई का चिड़ियाघर भारत का सबसे बड़ा चिड़ियाघर है। चेन्नई में बने भारत के सबसे पॉपुलर चिड़ियाघर का नाम अरिनगर अन्ना जूलॉजिकल पार्क है। चेन्नई का चिड़ियाघर 1300 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें पशु-पक्षियों की 1500 अलग-अलग प्रजातियां हैं। यहां 2500 से भी ज्यादा पेड़-पौधों की प्रजातियां मौजूद हैं। इसे पहले मद्रास जू के नाम से जाना जाता था।

दिल्ली

दिल्ली का चिड़ियाघर एशिया के सबसे बड़े चिड़ियाघरों में से एक है। ये खूबसूरत चिड़ियाघर 214 एकड़ में फैला हुआ है। दिल्ली चिड़ियाघर में पशु-पक्षियों की 22 हजार और पेड़-पौधों की 200 से ज्यादा प्रजातियां मौजूद हैं।

मैसूर

मैसूर में देश-विदेश से लाए गए कई खास पशु-पक्षी देखने को मिल जाएंगे। यहां सफेद हाथी और सफेद मोर जैसे खूबसूरत पशु-पक्षी देखने को मिलते हैं। मैसूर का चिड़ियाघर बहुत पुराना है। 1892 में जू के रूप में संरक्षित होने वाला ये चिड़ियाघर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे पुराने चिड़ियाघरों में से एक है। इसके पास में करंजी झील होने की वजह से यहां हर साल प्रवासी पक्षी आते हैं।

केरल

केरल में 500 एकड़ जगह में फैला त्रिवेंद्रम चिड़ियाघर है। केरल का चिड़ियागर 1857 में बना था। यहां नीलगिरी लंगूर, रॉयल बंगाल टाइगर, अफ्रीकन शेर और मेंड्रिल बंदर जैसे खास जीव देखने को मिलेंगे।

क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते समय बरतें ये सावधानियां

आजकल फेस्टिवल सीजन चल रहा है। कंपनियां अपने प्रोडक्ट पर अच्छे-अच्छे ऑफर्स देती हैं। ऐसे में लोग शॉपिंग भी खूब करते हैं। सोना, कार, बाइक, स्मार्टफोन, आईफोन, लैपटॉप आदि कई प्रोडक्ट ऐसे हैं, जिन्हें लोग त्योहारों के दिनों में ऑफर मिलने पर या ईएमआई पर खरीदना पसंद करते हैं। इससे अलग भी रुटीन में कई लोग क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन किसी चीज के फायदे हैं तो नुकसान भी हैं। कई बार क्रेडिट कार्ड के कारण लोगों को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन अगर लोग कुछ सावधानियां बरतेंगे तो नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा, ठगी का शिकार नहीं हो पाएंगे, वहीं क्रेडिट स्कोर भी नहीं घटेगा, आइए जानते हैं-

अनजान व्यक्ति को डिटेल न शेयर करें

अपने क्रेडिट कार्ड की डिटेल किसी को भी न बताएं। ठग अकसर कंपनी कर्मचारी बनकर आपसे डिटेल ले लेते हैं। ऐसे में फोन पर किसी से डिटेल शेयर न करें, क्योंकि कंपनियां इस तरह डिटेल नहीं मांगती तो अनजान डिटेल पूछे तो समझ लीजिए कि वह आपको ठगने की कोशिश कर रहा है। अगर शॉपिंग कर रहे हैं तो सतर्क रहें। आजकल कार्ड को कॉपी करने के तरीके लोग इस्तेमाल करने लगे हैं, ऐसे में कार्ड का दुरुपयोग हो सकता है।

लास्ट डेट से पहले पेमेंट करें

क्रेडिट कार्ड बिल की लास्ट पेमेंट डेट हमेशा याद रखें। लास्ट डेट से पहले पेमेंट कर देंगे तो आपका सिबिल स्कोर मजबूत रहेगा। इससे लोन लेने में आसानी रहेगी। कोई भी बैंक आपका सिबिल स्कोर देखकर ही आपको लोग दे देगा।

मिनिमम बैलेंस का पेमेंट करें

क्रेडिट कार्ड के बिल में मिनिमम बैलेंस का जिक्र होता है। अगर किसी कारण से पूरी पेमेंट नहीं कर पा रहे हैं तो मिनिमम बैलेंस की पेमेंट जरूर कर दें। ऐसा नहीं करने पर बैंक पैनल्टी लगाएगा, जिससे आपका स्कोर खराब होगा। साथ ही क्रेडिट कार्ड की लिमिट होती है। ऐसे में कोशिश करें कि इसकी पूरी लिमिट का इस्तेमाल न हो। अगर आप लिमिट खत्म कर देंगे तो इससे क्रेडिट प्रोफाइल पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। बैंक आपको क्रेडिट हंग्री की लिस्ट में डाल सकता है।

कार्ड से कैश निकालने से बचें

क्रेडिट कार्ड से कैश निकालने से बचना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने पर कंपनियां बहुत अधिक ब्याज वसूल लेंगी। क्रेडिट कार्ड से कैश निकालने पर चार्ज लगता है। अगर इस चार्ज से बचना चाहते हैं तो क्रेडिट कार्ड से कैश न निकालें।

एक से ज्यादा बैंकों के कार्ड न रखें

क्रेडिट कार्ड यूजर्स को एक से ज्यादा बैंकों के कार्ड नहीं रखने चाहिएं। इससे यह होगा कि अगर एक भी कार्ड की पेमेंट समय पर नहीं कर पाए तो आपके लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी। इसलिए ऑफर्स के लालच में ज्यादा क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल न करें।

बिना जरूरत लिमिट न बढ़वाएं

कई बैंक क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के ऑफर देते हैं। कुछ लोग बिना सोचे समझे लिमिट बढ़वा लेते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे आपको उतना ही सरचार्ज देना होगा, जितनी लिमिट बढ़वाएंगे। इसलिए बड़ी शॉपिंग करने से बचें।

ऑफर्स देने वालों से बच कर रहें

कई लोग क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के साथ इंश्योरेंस, एयर टिकट आदि पर अच्छे ऑफर देने का लालच देकर फंसा लेते हैं। अगर आपको उन ऑफस की जरूरत नहीं तो जितना हो सके, ऑफर्स देने वालों से बचें।

आर्ट्स स्ट्रीम से पढ़ने वालों के लिए ये हैं बेहतरीन करियर ऑप्शन

आज के गतिशील नौकरी बाजार में, सही करियर पथ चुनना एक कठिन काम हो सकता है। यदि आपने कला संकाय में अपनी शिक्षा प्राप्त की है, तो आप अपने लिए उपलब्ध विविध प्रकार के अवसरों के बारे में सोच रहे होंगे। आइए जानते हैं आर्ट्स स्ट्रीम से पढ़ने वाले छात्रों के लिए कौन-कौन से हैं बेहतर ऑप्शन-

ग्राफिक डिजाइन

दृश्य कला की दुनिया में रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं है। यदि आपको डिजाइन का शौक है, तो ग्राफिक डिजाइन में करियर बनाने पर विचार करें। कला स्नातक ग्राफिक डिजाइनर, चित्रकार या मल्टीमीडिया कलाकार के रूप में उभर सकते हैं, जो विभिन्न प्लेटफार्मों के लिए आकर्षक सामग्री तैयार कर सकते हैं।

राइटिंग में पर्याप्त अवसर

डिजिटल युग में सामग्री निर्माण और लेखन महत्वपूर्ण भूमिका में विकसित हो गए हैं। लेखन और रचनात्मक अभिव्यक्ति की प्रतिभा वाले कला स्नातक सामग्री विपणन, ब्लॉगिंग और कॉपी राइटिंग में पर्याप्त अवसर पा सकते हैं। लिखित शब्द के माध्यम से प्रभावी ढंग से संवाद करने की उनकी क्षमता की विभिन्न उद्योगों में अत्यधिक मांग है।

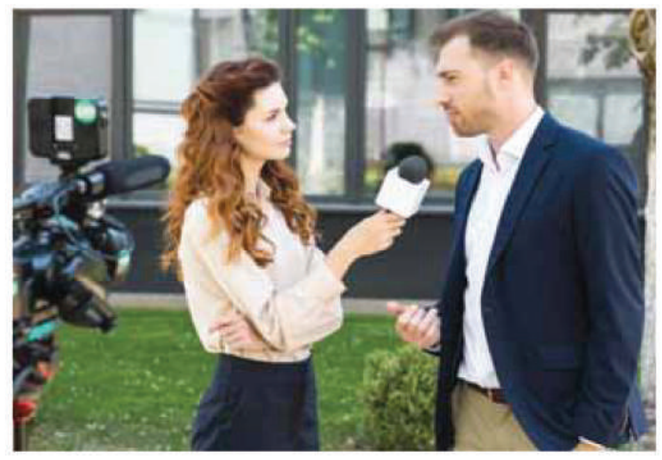

अच्छे पीआर के रूप में

यदि आपके पास उत्कृष्ट संचार कौशल है, तो जनसंपर्क और संचार में करियर आपके लिए उपयुक्त हो सकता है।कला स्नातक अक्सर सम्मोहक आख्यान तैयार करने, सोशल मीडिया का प्रबंधन करने और संगठनों और उनके दर्शकों के बीच सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं।

ज्ञान का आदान-प्रदान

ज्ञान प्रदान करना और युवा दिमागों का पोषण करना एक संपूर्ण करियर पथ है। कला स्नातक शिक्षण और शिक्षा भूमिकाएं तलाश सकते हैं, चाहे वह स्कूलों, कॉलेजों में या निजी ट्यूटर्स के रूप में हो। ये भूमिकाएं आपको भावी पीढ़ियों पर सार्थक प्रभाव डालने की अनुमति देती हैं।

इवेंट मैनेजमेंट और मार्केटिंग

इवेंट मैनेजमेंट और मार्केटिंग तेज गति वाले और रोमांचक क्षेत्र हैं। कला स्नातकों की रचनात्मक सोच और संगठनात्मक कौशल कॉर्पोरेट सम्मेलनों से लेकर शादियों और सांस्कृतिक उत्सवों तक कार्यक्रमों की योजना बनाने और उन्हें बढ़ावा देने में मूल्यवान संपत्ति हैं।

पत्रकारिता और मीडिया

कहानी कहने के जुनून और समसामयिक घटनाओं के प्रति रुचि रखने वाले कला स्नातक पत्रकारिता और मीडिया में यात्रा शुरू कर सकते हैं।

चाहे पत्रकार, संपादक या प्रसारक के रूप में, वे जनता को सूचित करने और संलग्न करने में योगदान देते हैं।

सोशल मीडिया का ऐसे करें इस्तेमाल मिलेंगे फायदे ही फायदे

आजकल हर कोई दोहरी जिंदगी जीता है एक सोशल मीडिया पर दिखाने के लिए और दूसरी असल लाइफ होती है जो बिल्कुल अलग होती है। आपको बता दे कि सोशल मीडिया आज की मॉडर्न जिंदगी पिछले कुछ सालों में बिल्कुल बदल गई है। यही वजह है कि कई लोग अब इससे ऊब गए हैं और इसके उपयोग से बच रहे हैं। क्या आप भी सोशल मीडिया से परेशान हो गए हैं? तो ऐसे करें इसका सही इस्तेमाल-

रोजगार का प्रचार

यदि आपका कोई बिजनेस है या आप किसी भी प्रकार का प्रचार करना चाहते हैं, तो सोशल मीडिया एक ताकतवर औजार हो सकता है।

इनसे जुड़े लाखों लोग तक आपका प्रचार पहुंचता है, जिससे कम समय में आप अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

रिश्ते बनाता है

ऐसे कितने ही बचपन के दोस्त, जानने वाले या फिर घर से दूर बैठे अपने लोगों से ये सेकंडों में जोड़ देता है। आजकल बेटी विदा होते ही सेल्फी भेजती है, एक बच्चा घर से निकलते ही वीडियो कॉल करता है, एक बेटा विदेश में बैठ कर भी वीडियो कॉल से अपनी मां के साथ चाय पी सकता है, जिससे अपनों के कुशल मंगल होने का समाचार तत्काल मिलता है और रिश्ते भी मजबूत होते हैं।

अपनी कला का प्रदर्शन कर सकते हैं

कितने ही ऐसे लोग दुनिया में हैं जिन्होंने जिम्मेदारी की आड़ में अपने जुनून को खो दिया है। जैसे किसी को गाना पसंद था, किसी को डांस करना, किसी को कविताएं लिखना आदि। ऐसे में आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का फायदा उठा कर यहां अपनी कला का प्रदर्शन कर सकते हैं।अगर आप वायरल हो गए तो आपके जुनून को आमदनी में बदलते देर नहीं लगेगी।

दुनिया भर की जानकारी

आजकल सोशल मीडिया के कारण टीवी का प्रचलन भी कम होता जा रहा है क्योंकि इन सभी एप पर आपको दुनिया भर की खबरें सेकंड दर सेकंड मिलती रहती हैं, जिससे आप विविध प्रकार की जानकारी से अवगत होते रहते हैं।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य

अगर आप अपनी असल परिस्थितियों से विचलित हैं और मानसिक रूप से तनाव में हैं, तो ऐसे कई एप हैं जिससे आप तनावमुक्त हो सकते हैं। आप ध्यान और योग के वीडियो देख सकते हैं। कोई अध्यात्मिक दर्शन कर सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिले। शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने में ये आपकी मदद करते हैं।

पीरियड्स का ट्रैक रख सकते हैं, प्रेग्नेंसी ट्रैक कर सकते हैं, अपना वजन और चले गए कदम सभी कुछ ट्रैक कर सकते हैं।

इन परीक्षाओं को देकर आप भी बन सकते हैं भारतीय वायु सेना में पायलट

हमारे देश में लाखों युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना चाहते हैं। इनमें से कुछ इंडियन आर्मी, इंडियन नेवी में जाना चाहते हैं तो कुछ युवा इंडियन एयरफोर्स में भर्ती होकर देश की सेवा करना चाहते हैं। अगर आप भी भारतीय वायु सेना में पायलट बनना चाहते हैं। तो आज हम आपको बतायेंगे एयरफोर्स में जाने के लिए होने वाली भर्ती परीक्षाओं के बारे में-

यूपीएससी एनडीए एग्जाम

एनडीए भर्ती परीक्षा के माध्यम से उम्मीदवारों को इंडियन एयरफोर्स के फ्लाइंग ब्रांच, ग्राउंड ड्यूटी टेक्निकल और नॉन टेक्निकल ब्रांच में भर्ती होती है। इस भर्ती में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों का 12वीं क्लास फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स विषयों के साथ पास होना जरूरी है और साथ ही अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 16.5 और अधिकतम आयु 19 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज एग्जाम

यह भर्ती जो उम्मीदवार ग्रेजुएशन कर चुके हैं उनके लिए निकाली जाती है।यह भर्ती एनसीसी स्पेशल इंट्री और एएफकैट परीक्षा के माध्यम से में फ्लाईग ब्रांच में भर्ती होने के लिए निकाली जाती है। इस भर्ती के लिए अभ्यर्थी ने 12वीं कक्षा फिजिक्स और मैथमेटिक्स पास होने के साथ ही बीए/ बीएससी/ बीकॉम किया हो या अभ्यर्थी ने बीई/ बीटेक डिग्री प्राप्त की हो। इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 24 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

एयरफोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट

यह भर्ती भी प्रतिवर्ष निकाली जाती है जिसके माध्यम से आप इंडियन एयरफोर्स में भर्ती हो सकते हैं। इस परीक्षा के माध्यम से उम्मीदवारों को शॉर्ट सर्विस कमीशन में एंट्री मिलती है। इसमें भाग लेने के लिए उम्मीदवार ने 12वीं कक्षा गणित एवं भौतिकी विषयों के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। इसके साथ बीए/ बीएससी / बीकॉम न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ अथवा बीई/ बीटेक डिग्री न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण किया हो। अभ्यर्थी की उम्र 20 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

एनसीसी स्पेशल एंट्री स्कीम

इस भर्ती में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों ने 12वीं कक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स विषयों के साथ उत्तीर्ण की हो।इसके अलावा अभ्यर्थी ने ग्रेजुएशन डिग्री या बीई/ बीटेक डिग्री न्यूनतम 60 फीसदी अंकों के साथ प्राप्त की हो।

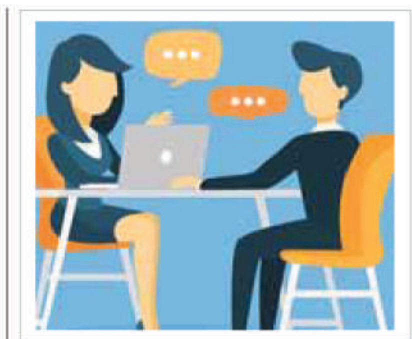

सही जानकारी देकर इंटरव्यू को इस तरह तरह बनाएं इफेक्टिव

इंटरव्यू के लिए जाते समय मन में कई सवाल आते हैं और ऐसा होना संभाविक भी है कि आखिर वहां जाने के बाद किन-किन सवालों का जवाब देना होगा और हम उन सवालों को कैसे हैंडल करेंगे। किसी भी पद की दावेदारी के लिए आपसे कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं। जिनके लिए आप बहुत से झूठ भी बोलने को तैयार हो जाते हैं।आज हम आपको बताते हैं कि अगर आप इंटरव्यू में झूठ बोलते हैं, तो आप अपनी नौकरी मिलने की दावेदारी को किस तरह कम कर देते हैं। साथ ही, जानते हैं कि इंटरव्यू में पूछे जाने वाले सवाले के उत्तर आपको किस तरह देने चाहिए तो आइए जानते हैं, इस महत्वपूर्ण सवालों के बारे में, जिनकी मदद से करियर बन सकता है और किन गलतियों के कारण करियर बनने में काफी प्रॉब्लम आ सकती है।

ऐसे इफेक्टिव बनाएं

काम सबसे पहले है, सैलरी नहीं आप अपने स्किल और पद के अनुसार सही जानकारी देने की कोशिश करें। उनको बताएं कि आपकी प्राथमिकता सैलरी नहीं है बल्कि काम करना है और साथ ही पहली जॉब छोड़ने से संबंधित सही जानकारी दें। सबसे पहले आपको यह बताना होगा कि आप अपनी संस्था में कितने सालों से काम कर रहे हैं। इसके साथ ही बताएं कि आप नई दिशा और नई उपलब्धियों की लालसा के लिए आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। आपको अपनी संस्था के बारे में किसी भी तरह की निगेटिव बातें नहीं करनी हैं। यह आपके पूरे इंटरव्यू को इफेक्टिव कर सकता है। इस प्रश्न के उत्तर के साथ आप अपने सीखे हुए स्किल के बारे में भी बता सकते हैं।

एक्सपीरियंस शेयर

वहीं, मैनेजर के साथ अपने एक्सपीरियंस शेयर करें। इंटरव्यू में आप से कुछ ऐसे प्रश्न पूछे जा सकते हैं, जो आपको उलझा सकते हैं और साथ ही यह प्रश्न आपकी मानसिक स्थितियों को समझने के लिए हो सकते हैं। आपको प्रश्न के उत्तर में केवल मैनेजर के साथ के पॉजिटिव बिंदुओं को ही प्रस्तुत करना है। आप इसमें उन सभी नए एक्सपीरियंस को शेयर कर सकते हैं, जो आपने सीखे हैं।

अपने एक्सपीरियंस के बारे में बताएं

इंटरव्यू के दौरान आपको अपने एक्सपीरियंस के बारे में बताना होगा। इसके साथ ही आपको अपने मैनेजमेंट के साथ किए गए उन सभी पॉजिटिव कामों के बारे में जानकारी देनी होगी, जो पिछले संस्थान में आपने किए थे। आपको अपने तकनीकी स्किल के बारे में भी बताना चाहिए।

झूठ बोलने से बचे

इंटरव्यूवर को धोखा देने बचें इंटरव्यू के समय आपको प्रश्नों के उत्तरों में झूठ बोलने के बजाय अपनी स्किल के अनुसार इंटरव्यूवर को प्रभावित करना होता है। आपको किसी भी तरह से इंटरव्यूवर को घुमाना नहीं है, बल्कि अपनी अनिवार्य उपस्थिति के बारे में उन्हें एहसास दिलाना है। यह आपकी इंटरव्यू में सफलता की दावेदारी को मजबूत करता है। किसी भी इंटरव्यू में सफलता पाने के लिए मन में सकारात्मकता का होना जरूरी है। यह इंटरव्यूवर को आपके प्रति सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

GENERAL KNOWLEDGE

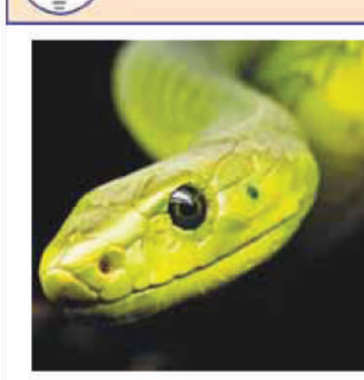

प्रश्न-वह कौन सा जीव है जिसे भूकंप आने का पता पहले चल जाता है ?

उत्तर-सांप

-हवाई जहाज में लगा ब्लैक बॉक्स किस रंग का होता है?

उत्तर-लाल रंग का

-अंतरिक्ष में जाने वाला पहला जानवर कौन सा है?

उत्तर-लाइका नाम की कुतिया गई थी। इसे सोवियत ने 3 नवंबर 1957 को भेजा था।

-वह कौन सा जानवर है जिसके पसीने का रंग लाल होता है ?

उत्तर-दरियाई घोड़ा यानी हिप्पो

-सौरमंडल का सबसे गर्म ग्रह कौन सा है ?

उत्तर- शुक्र ग्रह। इसके सतह का तापमान 464 डिग्री सेल्सियस रहता है।

-इंसान के कान में कुल कितनी अस्थियां होती हैं?

उत्तर-तीन अस्थियां

-साल 1990 में वर्ल्ड वाइड वेब यानी WWW का आविष्कार किसने किया था ?

उत्तर-टिम बर्नर्स ली ने

- अंटार्कटिका में कुल कितने टाइम जोन हैं?

उत्तर-11 टाइम जोन

-सबसे अधिक टाइम जोन किस देश में हैं?

उत्तर-रूस में

कंपनी सचिवों के 51वें राष्ट्रीय सम्मेलन में उपराष्ट्रपति और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल हुए शामिल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दी इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की ओर से 51वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया है उत्तर प्रदेश वाराणसी में आयोजित यह सम्मेलन 2 से 4 नवंबर तक चलेगा` राष्ट्रीय सम्मेलन का थीम इंडिया@ जी-20 एंपावरिंग सस्टेनेबल फ्यूचर थ्रू गवर्नेंस एंड टेक्नोलॉजी रखा गया` भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सम्मेलन की शोभा बढ़ाई दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल इस अवसर पर विशेषातिथि के रूप में उपस्थित रही` इस 51वें राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए उपयुक्त विषय और स्थान चुनने के लिए संस्थान को बधाई देते हुए भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कंपनी सचिव कॉर्पोरेट गवर्नेंस के संरक्षक हैं जो इंडिया इंक के अनुपालन और शासन को उच्च बनाए रखते हैं वे व्यवस्था में बदलाव के केंद्र हैं और हर कार्य में प्रेरणादायक भूमिका निभा रहे हैं `अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पवित्र नगरी वाराणसी में उपस्थित सभी गणमान्यों का अभिनंदन किया ` आनंदीबेन पटेल ने कहा ह्लकॉर्पोरेट्स को प्रगति के पथ पर चलने में मदद करने में कंपनी सचिवों की प्रमुख भूमिका है मैं देश के ऐसे महत्वपूर्ण पेशेवरों को आकार देने और इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संस्थान की सराहना करता हूं जो व्यापक सीखने का अवसर देते हैं` राष्ट्र निर्माण में सराहनीय योगदान के लिए संस्थान की सराहना करते हुए कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के सचिव डॉ. मनोज गोविल ने कहा कि सरकार ने कंपनी सचिव पेशेवरों पर अपना विश्वास जताया है जो भारत को एक कुशल और पारदर्शी राष्ट्र बनाने के लिए काफी जरूरी हैं राष्ट्रीय सम्मेलन विचार-मंथन और सीखने का एक अवसर होगा` आईसीएसआई के अध्यक्ष सीएस मनीष गुप्ता ने संस्थान द्वारा अपने हितधारकों के विकास के लिए की गई विभिन्न पहलों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की जिसमें पेशे की मजबूत नींव के लिए नए पाठ्यक्रम और शुरू किए गए महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे` इस अवसर पर आईसीएसआई ने विशिष्ट अतिथियों के हाथों कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण पहलों और प्रकाशनों का अनावरण किया`

इसमें निम्लिखित शामिल है – कन्वेंशन स्मारिका ,आईसीएसआई के सदस्यों के लिए लाभ पर हैंडबुक ,आईसीएसआई (व्यवहार में कंपनी सचिवों का प्रबंधन और विकास) दिशा निर्देश 2023 ईएसजी कॉन्क्लेव, तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सिंगापुर, अप्रैल 2024 ` 51वां राष्ट्रीय सम्मेलन विचारशील विचार-विमर्श और आकर्षक चचाओं का एक अद्भुत अवसर है जो उद्योग जगत के नेताओं, पेशेवरों और अन्य हितधारकों के बीच संवाद का एक मंच मुहैया करवाता है ` इस कार्यक्रम में लगभग 1500 कंपनी सचिवों, पेशेवरों, निदेशकों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और अन्य हितधारकों की व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज की लगभग 10,000 प्रतिनिधियों वर्चुअल मोड में इस कार्यक्रम का हिस्सा बने।

बालक के हत्या का तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के बरही नेवादा बाजार में गत 16 अगस्त को मामूली विवाद में मजदूर के बेटे को चाकू मारकर हत्या करने में आरोपित तीन नाबालिकों में एक फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष दीपक कुमार रणावत ने बताया कि मिठाईलाल के पुत्र मुकेश 15 वर्ष की गांव के तीन नाबालिकों ने आपसी विवाद में बीच बाजार में चाकू मारकर हत्या कर दी थी। जिसमे दो आरोपित को पहले ही पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। हत्यारे दूसरे समुदाय के होने के कारण उस समय गांव में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। तीसरे नाबालिक अपराधी को गुरुवार को जौनपुर जिले के बॉर्डर से कठिराव चौकी इंचार्ज नंदलाल कुशवाहा ने हमराही सिपाहियों के साथ गिरफ्तार कर धारा 302,504,506, 34 व एस सी / एसटी के तहत भेज दिया गया।

उप क्रीड़ा अधिकारी के सौजन्य से जिला स्तरीय जूनियर बास्केटबाल खेल का हुआ आयोजन

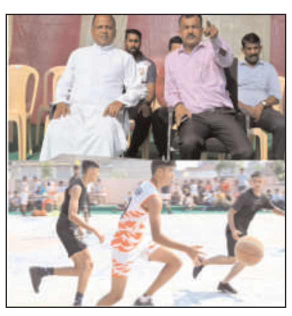

प्रखर संतकबीरनगर। उप कीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया है कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर जिला स्तरीय जूनियर बास्केटबाल बालक प्रतियोगिता 2023-24 का आयोजन सेन्टथामस स्कूल के बास्केटबाल ग्राउण्ड पर किया गया। जिसका उद्घाटन फादर सी0वी0 जोसफ प्रधानाचार्य द्वारा किया गया। उप क्रीडाधिकारी दिलीप कुमार द्वारा बैच पुष्प गुच्छा देकर स्वागत किया गया प्रतियोगिता में कुल 08 टीमो ने भाग लिया। प्रतियोगिता नाक आउट आधार पर खेली गयी। उद्घाटन मैच सेण्टथामस स्कूल बनाम थम्सानियन क्लब के बीच खेला गया जिसमें सेन्टथामस स्कूल 14/10 से विजयी रही। विजयीटीम की तरफ से सूर्यांश ने 08 अंक बनाये। दूसरा मैच ईंगल क्लब बनाम पंजाब क्लब के बीच खेला गया जिसमे पंजाब क्लब 08/04 से विजयी रही। विजयीटीम की तरफ से अम्बिका श्रीवास्तव ने 06 अंक बनाकर विजय प्राप्त किया। तीसरा मैच चन्द्रा क्लब बनाम एन.पी.एस. ऐकेडमी के बीच खेला गया जिसमें चन्द्रा क्लब 16/10 से विजयी रही। विजयी टीम की तरफ से अरूणेन्द्र ने 06 अंक बनाकर विजय प्राप्त किया। चैथा मैच स्टेडियम एकादश बनाम टाईगर क्लब के बीच खेला गया जिसमें स्टेडियम एकादश 22/16 से विजयी रही। विजयी टीम की तरफ से रविकान्त त्रिपाठी ने 10 अंक अर्जित कर अपने टीम को विजयी बनाया। प्रतियोगिता का पहला सेमी फाइनल मैच सेन्टथामस स्कूल बनाम पंजाब क्लब के बीच खेला गया जिसमें 10/06 से सेन्टथामस स्कूल विजयी रही। विजयी टीम की तरफ से सूर्यांश ने 06 अंक अर्जित कर अपनी टीम को फाइनल में जगह दिलाई। प्रतियोगिता का दूसरा सेमी फाइनल मैच स्टेडियम एकादश बनाम एन.पी.एस. ऐकेडमी के बीच खेला गया जिसमें 22/10 से स्टेडियम एकादश विजयी रही। विजयी टीम की तरफ से अर्पण ने 06 अंक अर्जित कर अपनी टीम को फाइनल मे पहुँचाया।

सिकरारा के 77 विद्यालयों पर सम्पन्न हुआ सीस परीक्षा, 2310 परीक्षार्थी हुए सम्मिलित

प्रखर सिकरारा, जौनपुर। शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर शुक्रवार को स्टेट एजूकेशनल अचीवमेंट सर्वे हुआ। इसके तहत कक्षा तीन, कक्षा छह और कक्षा नौ के छात्रों की भाषा और गणित की परीक्षा हुई। परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर छात्रों की भाषा और गणित पर पकड़ का आंकलन होगा। परीक्षा की व्यवस्था व सुचिता निरीक्षण करने प्रयागराज मंडल के जेडी आर एन विश्वकर्मा प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर पर पहुँचे। परीक्षा की सुचिता व्यवस्था व भौतिक परिवेश व गुणवत्तापरक शिक्षा देख कर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमित सिंह व शिक्षकों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कक्षा 5 के बच्चों से दशमलव के गुणा भाग व कक्षा 4 के बच्चों से राज्य की राजधानियों के नाम व अंग्रेजी व हिंदी की कविता पूछी जिसको सभी बच्चों ने बताया और सुनाया। छात्रों के स्तर को मापने के लिए स्टेट एजूकेशनल अचीवमेंट सर्वे का आयोजन सिकरारा के 77 विद्यालयों पर किया गया। इसके लिए यू-डाइस के माध्यम से विकास खंड के 266 विद्यालयों में से 77 स्कूलों का रैंडम चयन किया गया था। चयनित विद्यालयों में रैंडम चयन प्रक्रिया के आधार पर सभी नामांकित छात्रों में से 30 विद्यार्थियों का चयन करके उन्ही की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा की जिम्मेदारी डायट तथा बेसिक शिक्षा विभाग को सौंपी गई थी। परीक्षा की पारदर्शिता व सुचिता को बनाये रखने के लिए प्रत्येक विद्यालय में परिषदीय विद्यालयों से एक एक शिक्षकों का फील्ड इन्वेस्टिगेटर के रूप में तैनाती की गई थी। परीक्षा ओएमआर शीट के माध्यम से हुई। कक्षा तीन के छात्रों के लिए 60 मिनट, कक्षा छह के छात्रों के लिए 75 मिनट और कक्ष नौ के छात्रों के लिए 90 मिनट तय किया गया था।

हरी फर्टिलाइजर, साहुपुरी की 331 एकड़ खाली जमीन पर औद्योगिक स्थान बनाया जाए : राजेश कुमार सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सर्किट हाउस में मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी औद्योगिक विकास निर्यात प्रोत्साहन ,एन आर आई एवं निवेश प्रोत्साहन उत्तर प्रदेश द्वारा यूपी सीडा के औद्योगिक क्षेत्र की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया` नए औद्योगिक अस्थान बनाने के लिए रिक्त स्थान नही होने पर चर्चा

हुई चर्चा के दौरान राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष लघु उद्योग भारती काशी प्रांत ने बताया की चंदौली जनपद के साहुपुरी मे बंद पड़ी हरी फार्टिलाइजर की 331 एकड़ जमीन पर औद्योगिक अस्थान का निर्माण किया जा सकता है` हरी फार्टिलाइजर, साहुपुरी ,चंदौली के वर्षो पुर्व बंद हो जाने के कारण 331 एकड़ जमीन निस्प्रयोग भूमि के रूप में पड़ी हुई है उक्त भूमि को किसानों से अधिग्रहण करते समय यह कहा गया था की वहां पर उद्योग स्थापित किया जाएगा जिसमे जिन गांव के लोगो की भूमि अधिग्रहित की जा रही है उनके परिवार को नौकरी दी जाएगी जिससे उनके परिवार का जीविको पार्जन हो सके परंतु कई वर्ष पूर्व फैक्ट्री बंद हो गई और वह सभी लोग बेरोजगार हो गए कई वर्ष पूर्व जिन लोगो ने भूमि ली है उन्होंने आज तक कोई नई फैक्ट्री नही लगाई है` अतः आपसे विनम्र निवेदन है की उक्त भूमि पर औद्योगिक अस्थान बनवा कर नए उद्यमियों को नियमो के तहत आवंटित करवाने की कृपा करे जिससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनो का उत्तम प्रदेश बनाने में सहयोग हो और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं ग्लोबल इन्वेस्ट मीट की सार्थकता सिद्ध हो सके` राजेश सिंह ने उक्त मांग से संबंधित पत्रक मंत्री जी को सौंपा ,मंत्री जी ने इस जमीन से संबंधित सभी तथ्यों को पता करके जल्द ही कार्यवाही करवाने का आश्वासन दिया` बैठक में संगठन से जुड़े राजेश अग्रवाल, कौस्तुक अग्रवाल, मनोज मद्धेशिया, बृजेश गुप्ता, ज्योति शंकर मिश्रा, सर्वेश श्रीवास्तव उपस्थित थे।

सोशल आडिट टीम ने बिंदुवार परखी मनरेगा की हकीकत ,ग्रामीणों ने विकास कार्यों पर लगाई मोहर

प्रखर संतकबीरनगर : सोशल आडिट टीम ने ग्राम सभा की बैठक कर मनरेगा के कार्यों की बिंदुवार सोशल ऑडिट के माध्यम से जांच पड़ताल कर विकास कार्यों की हकीकत परखी। इस दौरान सोशल आडिट टीम ने एक-एक कार्य पर खर्च किए गए धनराशि का ब्यौरा तलब कर भौतिक सत्यापन भी किया। आपको बता दे की आज दिन शुक्रवार को जिले के सबसे बड़े विकास खंड सेमरियावां के दुधारा, हुजूरा सुहावन, गंगाईचा, गंगौली आदि गावों में शासन के आदेश पर सोसल आडिट संपन्न हुआ। इस दौरान टीम ने मनरेगा के तहत कराए गए विकास कार्यों प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित किए गए आवास का निरीक्षण तथा अभिलेखों का सत्यापन किया। टीम ने सर्वप्रथम मनरेगा स्कीम के तहत ग्रामीणों के बनाए गए जॉब कार्डो व अभिलेखों के साथ ही मास्टर रोल की गहनता से जांच की । इसके बाद कार्य स्थलों पर जाकर कराए गए विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन किया। तथा गांव के पंचायत भवन में बैठक का आयोजन कर मनरेगा मजदूरों के जॉब कार्डों का निरीक्षण किया।

बैठक में सोशल ऑडिट टीम ग्रामीणों को मनरेगा योजना की जानकारी देते हुए गांव वासियों से आग्रह किया कि जिन लोगों के मनरेगा स्कीम के तहत जॉब कार्ड किसी भी कारण वश नहीं बन पाए हैं वह फिर से बना ले। बैठक के दौरान दुधारा, हजुरा सुहावन, गंगौली,गंगाइचा गांव के ग्रामीणों ने बढ़ चढ़ का हिस्सा लिया। सोसल आडिट के बैठक में ग्राम सचिव गुलाब चंद,दुधारा गांव के ग्राम प्रधान अब्दुल कलाम, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि महफूज आलम,रोजगार सेवक अरफा खातून,पंचायत सहायक आशीष कुमार,ग्राम सचिव कुणाल सिंह,मोहमद ईसा,पप्पू कुमार, सईदा हुसैन ,राजेश,अब्दुल फहीम आदि ग्रामीण भरी संख्या में मौजूद रहे।

श्रीराम का विलाप देख दर्शकों की आंखें हुई नम

प्रखर जौनपुर। सिरकोनी ब्लाक के अंतर्गत कचगांव क्षेत्र के गोपीपुर गांव में 176 वर्ष से हो रही ऐतिहासिक बुढ़वा बाबा रामलीला समिति के तत्वावधान में गुरुवार की रात को अंतिम दिन रामलीला में लक्ष्मण शक्ति, कुम्भकरण वध मेघनाथ वध व राम रामण युद्ध का भावपूर्ण मंचन किया गया। रामलीला का शुभारंभ मुख्य अतिथि कचगांव नगर पंचायत अध्यक्ष फिरोज खान ने फीता काटकर किया और विशिष्ट अतिथि फिल्म अभिनेता व समाजसेवी चन्दन सेठ ने राम–जानकी की आरती उतारी। इस मौके पर फिल्म अभिनेता व समाजसेवी चंदन सेठ ने कहा कि प्रभू राम के आदर्शों को हर व्यक्ति को अपने अन्दर उतारना चाहिए तभी रामलीला सार्थक होगा। कचगांव नगर पंचायत अध्यक्ष फिरोज खान ने रामलीला कार्यक्रम आयोजन समिति को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप लोगों के सहयोग से यह ऐतिहासिक रामलीला अच्छे ढंग होती आ रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगे रामलीला मैं अपना योगदान देता रहूंगा। इस दौरान रामलीला समिति के संरक्षक रविन्द्र बहादुर सिंह पप्पू, क्षेत्र पंचायत सदस्य दीपक सिंह अध्यक्ष प्रधान आरती अखिलेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष विपिन सिंह पिंटू, प्रबंधक संतोष सिंह दादा उप प्रबंधक अमित सिंह डायरेक्टर पप्पू महाजन,उप डायरेक्टर सूर्यभान सिंह, संगठन मंत्री अनुज सिंह,विशाल सिंह जैकी, अजय सिंह, महामंत्री शिवशंकर सिंह, बचानू,व सतपाल सिंह सत्तू ने माल्यार्पण कर अतिथियों का स्वागत किया। रामलीला के शुरूआत मे पक्टोरियल ऑफ द वर्ड के डायरेक्टर राजू कृष्णा व रिशू देव द्वारा प्रस्तुत राधे कृष्ण की झांकी देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। गायक अभिषेक मयंक ने एक से गीत सुनाकर लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। गुरुवार रात की रामलीला के मंचन के अंतिम दिन लक्ष्मण शक्ति के दृश्य में मेघनाथ द्वारा लक्ष्मण को शक्ति बाण लगने पर रामादल में खलबली मच जाती है। राम सेना शोक में डूब जाते हैं। प्रभू राम ने हनुमान को सुषेन वैध द्वारा बताए गये द्रोणागिरी पर्वत से संजीवनी बूटी लाने को कहते हैं। राम का विलाप देख दर्शकों के आंखों से आंसू छलक गये एवं लोग भाव-विभोर हो गये। हनुमान के संजीवनी बूटी लेकर लौटते ही रामादल में खुशी की लहर छा गयी। फिर सुषेण वैद्य के उपचार के बाद लक्ष्मण को होश आ जाता है और रामा दरबार में खुशी की लहर दौड़ जाती है। लोग श्री राम का जयकारा लगाने लगते हैं जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। राम की भूमिका प्रदीप सिंह बल्लू,लक्ष्मण शिवा सिंह,सीता नवरतन, हनुमान बिरजू सिंह, मेघनाथ अखिलेन्द्र सिंह,कुंभकरण टोनू सिंह,विभीषण इंदु प्रकाश सिंह,रावण की भूमिका पप्पू महाजन ने निभाया। रामलीला का संचालन कामरेड जयप्रकाश सिंह व अमित सिंह जुगनू ने किया ' इस अवसर पर पूर्व सपा छात्रसभा अध्यक्ष अतुल सिंह, समाजसेवी धीरज सिंह, हरिकेश सिंह,टोनू सिंह,मनीष सिंह, कोटेदार मनोज सिंह,ओम प्रकाश पप्पू,अनिल सिंह, छोटेलाल सिंह मास्टर,अरविंद्र सिंह, चेतनारायन, रिशु सिंह,संतोष सिंह एडवोकेट, रजनीश चौबे, आशीष चौबे, सिंटू,रिंकज सिंह,दुर्गेश सिंह डीके, सूरज कल्लू सिंह, शैलेश यादव, भीम,संजय यादव, संजू गुप्ता,मीडिया प्रभारी प्रभाकर सिंह योगी व वन्देश सिंह उपस्थित रहे।

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के वार्षिक परीक्षा में सुधाकर महिला महाविद्यालय की छात्राओं का टॉप-10 में स्थान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ की वार्षिक परीक्षा -2023 में सुधाकर महिला विधि महाविद्यालय की एल. एल. बी. तृतीय वर्ष की छात्रा अभिषेकता यादव ने टॉप-10 में चतुर्थ स्थान जबकि सुधाकर महिला पोस्ट ग्रेजुएट कालेज की बी०काम० तृतीय वर्ष की छात्रा अमीषा श्रीवास्तव ने टॉप-10 में द्वितीय स्थान प्राप्त किया जो कि महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ और संबद्ध महाविद्यालय के श्रेष्ठता सूची में अपना स्थान बनाया है इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ० प्रभु नारायण दूबे, उपप्राचार्या डॉ० रमा दूबे, समन्वयक डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय और निदेशक आशीर्वाद दूबे ने कहा कि इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य के लिए अनन्त शुभकामनाएं दी। विधि प्रवक्ता डॉ. राजकुमार श्रीवास्तव और बी. काम. के प्रवक्ता डॉ. सचिन पाण्डेय ने बताया कि दोनों छात्रायें शुरू से ही पढ़ने में मेधावी रही।

संक्षिप्त खबरें

एसपी के द्वारा साप्ताहिक शुक्रवार परेड का किया गया निरीक्षण, दिये गए आवश्यक दिशा निर्देश

प्रखर संतकबीरनगर । पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड मे साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया । परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी व कर्मचारीगणों को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया । निरीक्षण के पश्चात कर्मियों को शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई व परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई । एसपी के द्वारा परेड के उपरान्त निमार्णाधीन भवनों की गुणवत्ता, रिजर्व पुलिस लाइन्स परिसर की साफ सफाई का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस लाइन की बेहतर साफ-सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक के द्वारा पुलिस लाइन के आदेश कक्ष मे सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए गार्द की सुरक्षा के संबंध मे सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के समस्थ थानों पर शुक्रवार की परेड करायी गयी । शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिस कर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल भी करवाया गया।

कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के पोस्टर का किया विमोचन

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा फंक्शनल पदार्थ पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति और पॉलीमर की प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो वंदना सिंह द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रो. वंदना सिंह ने सम्मेलन की वेबसाइट को भी लॉन्च किया। प्रो सिंह ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सफलता की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि फंक्शनल मैटेरियल इंजीनियरिंग, मेडिसिन, स्पेस व कई अन्य क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक डॉ प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि यह सम्मेलन रज्जू भैया संस्थान एवं एशियन पॉलीमर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 8 से 10 फरवरी 2024 को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहा है। इस अवसर पर डीआरडीओ के डिफेंस मटेरियल लैब के सेवा निवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक व सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ कैलाश नाथ पांडेय ने कहा की फंक्शनल मटेरियल एक बहुआयामी पदार्थ है जिसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए बनाया जाता है। डॉ पांडेय ने कहा कि इस सम्मेलन में डीआरडीओ व देश के अन्य संस्थानों के वैज्ञानिक अपना शोध व व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ नितेश जायसवाल ने कहा कि 8-10 फरवरी , 2024 को आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में दुनिया भर के तीन सौ से ज्यादा शोधार्थी, वैज्ञानिक, प्रोफेसर फंक्शनल पदार्थ पर चर्चा करने के लिए पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में आयेंगे। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक व्यास नारायण सिंह, सम्मेलन के कोषाध्यक्ष डॉ सुजीत चौरसिया, वेबसाइट के इंचार्ज डॉ रामांशु प्रभाकर सिंह आदि उपस्थित थे।

कुंगफु बुसू एसोशिएसन द्वारा स्टेट चैंपियनशिप का आयोजन किया गया लगभग २०० खिलाडियों ने भाग लिया

प्रखर वाराणसी। वाराणसी मे विकास इंडोर हाल मे कुंगफु बुसू एसोशिएशन उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित स्टेट चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जिसमे २०० खिलाड़ियों ने भाग लिया और अलग अलग जिले वाराणसी गाजीपुर मिजार्पुर जौनपुर इलाहाबाद कौशाम्बी सोनभद्र चन्दौली मऊ बलिया के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसके मुख्य अतिथि सुधांशु पांडेय (संयोजक) चुनाव आयोग व राजीव सिंह (डायरेक्टर) एस बी इंटर कॉलेज भुसौला व राम गोविंद प्रजापति (पूर्व सांसद प्रत्याशी चंदौली कुम्हार आंदोलन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष) कुंगफु जनरल सेकेटरी गौरव विश्कर्मा टेक्निकल डायरेक्टर प्रतीक यादव प्रेजिडेंट ओम प्रकाश यादव महेश यादव श्याम विकास व विनय यादव एस बी पब्लिक स्कूल आदि लोग शामिल हुए।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं